संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 271
पृष्ठ 8
शुक्रवार
21 जून 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- नारियल पानी भी सेहत को....

विचार- मणिपुर पर भाजपा का अजीब रवैया

खेल- अफगानिस्तान के सामने भारतीय...

सीएम योगी ने की फैमिली आईडी योजना के प्रगति की समीक्षा, अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश की प्रत्येक परिवार इकाई को जारी की जा रही 'परिवार आईडी' प्रक्रिया की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की और इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ सभी परिवारों को उपलब्ध कराए जाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। हर परिवार को सरकार की योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने तथा प्रत्येक परिवार के न्यूनतम एक सदस्य को रोजगार-सेवायोजन से जोड़ने के संकल्प के क्रम में प्रदेश मे परिवार आईडी जारी की जा रही है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में निवासरत लगभग 3.60 करोड़ परिवार के 15.07 करोड़ लोग राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ पा रहे हैं। इन परिवारों की राशनकार्ड संख्या ही फैमिली आईडी है। जबकि 01 लाख से अधिक गैर राशन कार्ड धारकों को फैमिली आईडी जारी की जा चुकी है। ऐसे परिवार जो कि राशन कार्ड धारक नहीं है, उनके लिए https://familyid.up.gov.in पर पंजीयन कर परिवार आईडी प्राप्त करने की व्यवस्था है। इस योजना का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार किया जाए। प्रदेश का कोई भी परिवार इससे वंचित न रहे। एक परिवार-एक पहचान योजना के तहत प्रत्येक परिवार को एक विशिष्ट पहचान जारी किया जा रहा है, जिससे राज्य की परिवार इकाइयों का एक लाइव व्यापक डेटाबेस स्थापित होगा। यह डेटाबेस लाभार्थीपरक योजनाओं के बेहतर प्रबंधन, समयबद्ध लक्ष्यीकरण, पारदर्शी संचालन एवं योजना का शत-प्रतिशत लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने और आम जनता को सरकारी सुविधाओं का लाभ उपलब्ध कराने की व्यवस्था के सरलीकरण में सहायक होगा।परिवार आईडी प्रदेश के सभी परिवारों के लिए है। 25 करोड़ जनता को इसका लाभ मिलना चाहिए। परिवार आईडी के माध्यम से प्राप्त एकीकृत डेटाबेस के आधार पर रोजगार से वंचित परिवारों का चिन्हांकन कर उन्हें रोजगार के समुचित अवसर प्राथमिकता पर उपलब्ध कराए जा सकेंगे। केंद्र व राज्य सरकार संचालित 76 योजनाओंध्सेवाओं को फैमिली आईडी से लिंक किया जा चुका है। अवशेष सभी लाभार्थीपरक योजनाओं को परिवार आईडी से लिंक किया जाए। केन्द्र सरकार के सहयोग से संचालित समस्त योजनाओं का डेटाबेस प्राप्त कर उसे परिवार कल्याण पास बुक एवं फैमिली आईडी से जोड़ा जाना चाहिए। सभी लाभार्थीपरक योजनाओं,सेवाओं के ऑनलाइन आवेदन में आधार आवेदन एवं आधार अधिप्रमाणन अनिवार्य किया जाना चाहिए। इस तरह फैमिली आईडी का कवरेज बढ़ाने में सहायता मिलेगी। आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में नए प्रवेश के समय आधार ऑथेंटिकेशन कराएं, तदोपरान्त परिवार आईडी से लिंकेज किया जाए। जाति और आय प्रमाण पत्र जारी करने में अनावश्यक देरी न हो। इस प्रक्रिया का सरलीकरण किया जाए। हर एक परिवार को मिल रहे शासकीय योजनाओं के लाभ का पूरा विवरण दर्शाते हुए परिवार का पासबुक भी तैयार कराया जाए। पास-बुक और परिवार आईडी जारी करने से पूर्व परिवार के संबंध में सभी जानकारी को विधिवत प्रमाणित किया जाए। सभी संबंधित विभाग इसमें सहयोग करें।

देश की प्रगति को दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता से मापा जा सकता है : मुर्मु

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता को जरूरी बताते हुए गुरूवार को कहा कि किसी देश या समाज की प्रगति को उस देश या समाज के लोगों द्वारा दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशीलता से मापा जा सकता है। श्रीमती मुर्मु ने यहां पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शारीरिक दिव्यांगजन संस्थान का दौरा किया। उन्होंने दिव्यांग बच्चों और छात्रों के साथ समय बिताया तथा उनके द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी देखे। राष्ट्रपति ने संस्थान में पुनर्निर्मित सेंटरों का भी दौरा किया और रोगियों से बातचीत की। संस्थान में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि किसी देश या समाज की प्रगति को उस देश या समाज के लोगों द्वारा दिव्यांगजनों के प्रति दिखाई गई संवेदनशीलता से मापा जा सकता है। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता और समावेशिता हमारी संस्कृति और सभ्यता का अभिन्न अंग रहे हैं। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि जब प्रयास दिव्यांगजनों की जरूरतों के प्रति संवेदनशील और समावेशी हों तो कोई भी शारीरिक स्थिति सामान्य जीवन जीने में बाधा नहीं बन सकती। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त कि दिव्यांगजन अपने कौशल और प्रतिभा से हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रहे हैं। उन्होंने दीपा मलिक, अरुणिमा सिन्हा और अवनी लेखरा जैसी खिलाड़ियों और के.एस. राजन्ना जैसे सामाजिक कार्यकर्ताओं का उदाहरण दिया और कहा कि ऐसे सभी लोग इस बात की मिसाल हैं कि समर्पण व दृढ़ संकल्प के साथ कोई भी व्यक्ति हर तरह की शारीरिक बाधाओं को पार कर सकता है। राष्ट्रपति ने संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि यह पिछले कई दशकों से दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए काम कर रहा है। उन्होंने दिव्यांगजनों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में काम करने के लिए संस्थान से जुड़े सभी लोगों की प्रशंसा की।

संजय सिंह के विरुद्ध जमानती वारंट जारी

सुलतानपुर, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह के खिलाफ यहां की एमपी/एमएलए की विशेष अदालत ने जमानती वारंट जारी किया है। यह वर्ष 2021 के महामारी अधिनियम के उल्लंघन से जुड़ा मामला है जिसमें सिंह वारंट के बावजूद अदालत में पेश नहीं हुए थे। विशेष लोक अभियोजक वैभव पाण्डेय ने बताया कि 13 अप्रैल

2021 को बन्धुआकला के थानाध्यक्ष प्रवीन कुमार सिंह ने संजय सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि दिन में साढ़े तीन बजे हसनपुर गांव मेंसंजय सिंह अपनी पार्टी की जिला पंचायत सदस्य सलमा बेगम के पक्ष में सभा कर रहे थे जिसकी अनुमति उनके पास नहीं थी। प्राथमिकी के अनुसार, सिंह के साथ 50-60 लोग और थे तथा उनके इस कृत्य से महामारी अधिनियम व अन्य कानूनों का उल्लंघन हुआ। विवेचना के बाद पुलिस ने मामले में संजय सिंह सहित करीब दर्जन भर लोगों को आरोपी बनाया तथा अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था। विशेष लोक अभियोजक पाण्डेय ने बताया कि अन्य आरोपियों ने जमानत ले लीलेकिन सांसद संजय सिंह अदालत में उपस्थित नहीं हुए। पूर्व में कई पेशी में नदारद रहे सिंह आज भी हाजिर नहीं हुए तो अदालत के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने उनके विरुद्ध जमानती वारंट जारी कर दिया। अगली पेशी 29 जून को है।

एजुकेशन सिस्टम पर भाजपा का कब्जा : राहुल गांधी

हर परीक्षा में धांधली जारी, छात्रों के साथ हो रहा खिलवाड़

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट विवाद और यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द होने को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। राहुल ने तंज भरे लहजे में दावा किया कि कहा जा रहा था कि मोदी जी ने रूस-यूक्रेन युद्ध रोक दिया। लेकिन कुछ कारणों से नरेंद्र मोदी भारत में पेपर लीक को नहीं रोक पाए हैं या रोकना नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पेपर लीक होने का कारण यह है कि शिक्षा व्यवस्था पर भाजपा की मातृ संस्था का कब्जा हो गया है। जब तक इसे उलटा नहीं किया जाएगा, पेपर लीक होते रहेंगे। मोदी जी ने इस कब्जे को आसान बना दिया है। यह एक राष्ट्रविरोधी गतिविधि है। कांग्रेस नेता ने कहा कि ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि हमारी सभी संस्थाओं पर कब्ज़ा कर लिया गया है। हमारे कुलपतियों की नियुक्ति योग्यता के आधार पर नहीं की जाती है। बल्कि इसलिए क्योंकि वे एक खास संगठन से जुड़े हैं। और इस संगठन और भाजपा ने हमारी शिक्षा व्यवस्था में घुसकर उसे नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने नोटबंदी से अर्थव्यवस्था का जो हाल किया, वही अब शिक्षा व्यवस्था का किया है। ऐसा होने का कारण और आप पीड़ित होने का कारण यह है कि एक स्वतंत्र, उद्देश्यपूर्ण शिक्षा प्रणाली को ध्वस्त कर दिया गया है। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि जो लोग यहां दोषी हैं उन्हें कानून के दायरे में लाया जाए और उन्हें दंडित किया जाए। यह पूछे जाने पर कि क्या वह संसद में छम्म्ज मुद्दा और यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने का मुद्दा उठाएंगे, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी कहते हैं, ष्हां, हम इस मुद्दे को संसद में उठाएंगे।ष कांग्रेस का दावा है कि देश में पिछले 5 साल में 43 भर्ती परीक्षाओं का पेपर लीक हुआ है।

बिहार में उच्च न्यायालय ने आरक्षण का दायरा बढ़ाने वाले कानून को किया रद्द

पटना, एजेंसी। पटना उच्च न्यायालय ने बिहार में दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अति पिछड़ों के लिए आरक्षण का दायरा बढ़ाने संबंधी कानून को रद्द कर दिया है। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति हरीश कुमार की खंडपीठ ने गौरव कुमार और अन्य की ओर से दायर याचिका पर गुरुवार को फैसला सुनाते हुए शिक्षण संस्थानोंऔर सरकारी नौकरियों में एससी-एसटी, ईबीसी और अन्य पिछड़े वर्गों को 65 फीसदी आरक्षण देने के नीतीश सरकार के फैसले को रद्द कर दिया।

अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने पीएम मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रभावशाली द्विदलीय सांसदों के उच्च स्तरीय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को नई दिल्ली में

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। पीएम मोदी से मिलने वालों में यूएस हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के माइकल मैककॉल और पूर्व यूएस हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी शामिल थे, जिन्होंने तिब्बत के आध्यात्मिक नेता दलाई लामा से धर्मशाला में उनके आवास पर मुलाकात की। गौरतलब है कि बुधवार को दलाई लामा से मुलाकात के बाद किसी भारतीय नेता के साथ अमेरिकी अधिकारियों की यह पहली बड़ी मुलाकात थी। बैठक ने चीन को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया, जिसने अमेरिकी अधिकारियों को तिब्बत के आध्यात्मिक नेता के साथ उनके जुड़ाव के बारे में चेतावनी दी।

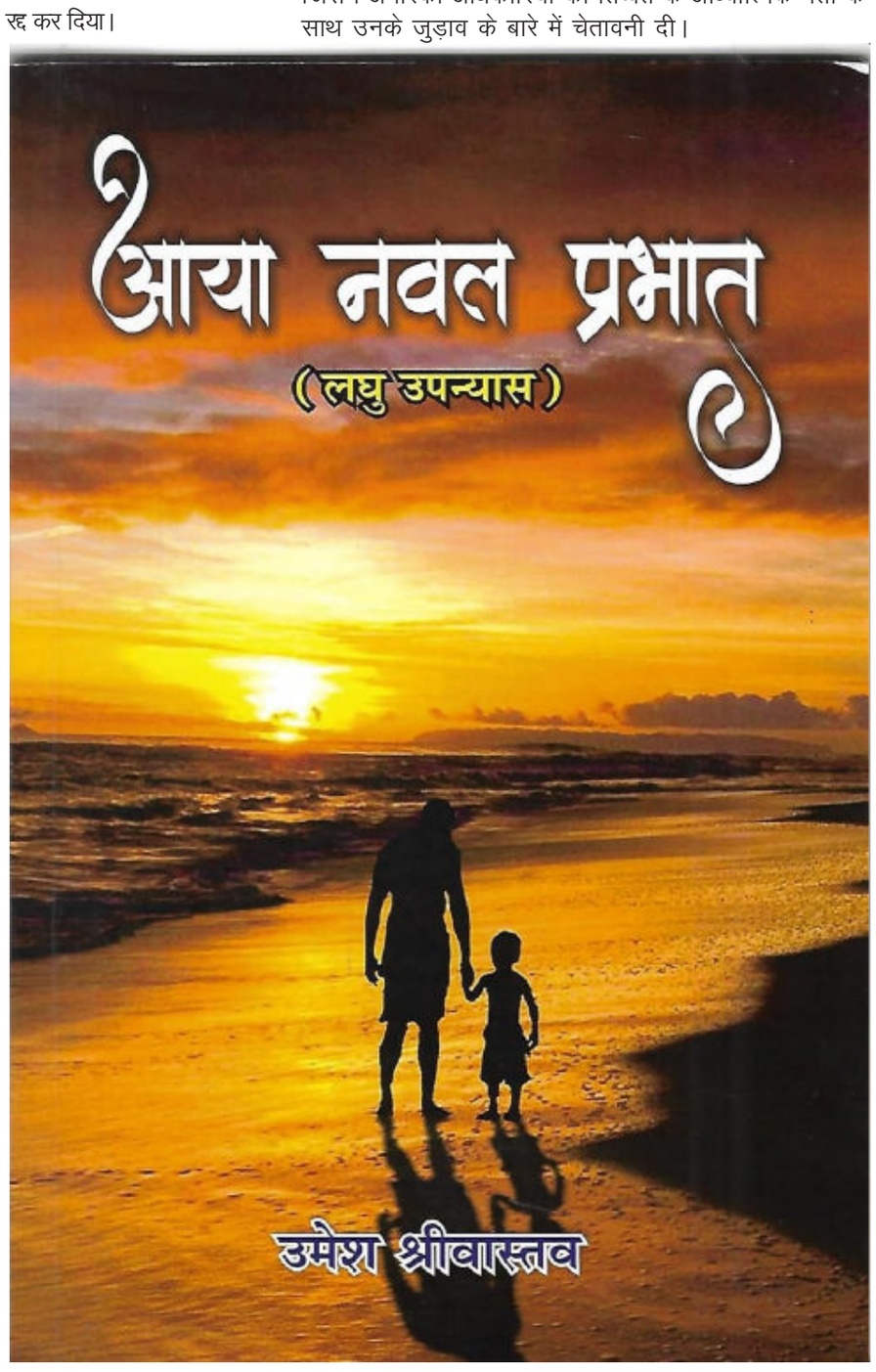

विश्व हिंदी परिषद के शैक्षणिक प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ की अध्यक्ष मनोनीत हुईं डॉ संगीता सिंह बनाफर

नई दिल्लीध विलासपुर रू विश्व हिंदी परिषद के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. शकुंतला सरुपरिया ने पत्र जारी कर डॉ संगीता सिंह बनाफर को शैक्षणिक प्रकोष्ठ, छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया है। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि डॉ संगीता बनाफर परिषद के कारवां को आगे बढ़ाएंगी। देश-विदेश में हिंदी भाषा की प्रचार-प्रसार को गति देंगी।

डॉ. विपिन कुमार महान स्तंभकार एवं परिषद के राष्ट्रीय महासचिव, डीपी मिश्रा उपाध्यक्ष, डॉ नन्दकिशोर साह, राष्ट्रीय संपर्क समन्वयक ने बधाई दी। ज्ञात हो कि विश्व हिंदी परिषद का उद्देश्य भारतीय भाषाओं के माध्यम से हिंदी भाषा को राष्ट्रभाषा के रूप में स्थापित करना है। विश्व हिंदी परिषद हिंदी भाषा के प्रचार प्रसार की सेवा में वैश्विक संस्था है। सर्व कल्याण की भावना से परिषद की गतिविधियां कई देशों में संचालित है। विश्व हिंदी परिषद द्वारा डॉ संगीता बनाफर को शैक्षिक प्रकोष्ठ, छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर हिंदी प्रेमियों में हर्ष व्याप्त है।

डॉ संगीता बनाफर, बिलासपुर छत्तीसगढ़ की निवासी हैं। आप स्वतंत्र लेखिका एवं कवयित्री हैं। लेखन संपादन में रूचि के साथ इनकी तीन संपादित पुस्तकें, संगिनी काव्य-संग्रह, ष्बस और निर्भया नहींष षविकलांगता एक अनुशीलनष सहसंपादित पुस्तकें तथा 100 से अधिक रचनाएं राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्र- पत्रिकाओं में प्रकाशित हैं। वे अनेक साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्थानों में सक्रिय रूप से जुड़ी हैं। इंटरनेशनल इनर व्हील क्लब की एक्जीक्यूटिव ऑफिसर है और वूमेन एंपावरमेंट पर काम करती हैं। समय समय पर ऑनलाइन काव्य गोष्ठियां एवं लाइव आयोजन करती रहती हैं। इन्हें कई राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं द्वारा सम्मान प्राप्त हैं।

हिंदी के प्रचार प्रसार को उन्होंने अपने जीवन का लक्ष्य बना लिया है। हिंदी के संबंध में उन्होंने शायराना अंदाज में बताया कि अभी तो बिगुल बजा है, प्रारब्ध के प्रारंभ का, नई चेतना के शंखनाद। नई सुबह के शुभारंभ का, अभी तो जीवन रथ में चढ़कर बन हिमालय श्रृंग शिखर पर विजय पताका फहराना है, अभी विराम हरगिज नहीं, हिंदी को विश्वपटल पर लाना है।

प्रयागराज में 9 कमरों का मकान फिर भी लावारिस महिला

78 साल की पेंशनर को बेटे–बहू ने घर से निकाला, बेहोश मिली तो पड़ोसियों ने भर्ती कराया

प्रयागराज। कहते हैं बेटा मां–बाप के बुढ़ापे की लाठी होता है लेकिन बदलते वक्त के साथ ऐसे मामले सामने आ जाते हैं कि बेटे–बहू से आजिज बुजुर्ग माता–पिता लावारिसों सी जिंदगी गुजारने पर मजबूर हो जाते हैं।

प्रयागराज में 78 साल की वृद्धा महिला की यूं ही दर्दभरी कहानी सामने आई है। प्रेम कुमारी मिश्र का शहर के पॉश इलाके चांदपुर सलोरी में9 कमरों का मकान है। मौजूदा वक्त में मकान की कीमत ही एक करोड़ से ऊपर होगी लेकिन बीमार बुजुर्ग महिला लावारिसों सरीखी जिंदगी बिताते हुए किराए के मकान में रहने को मजबूर रही। खाना पीना पड़ोसियों की दया पर चल रहा था।

लावारिसों की तरह बेहोश पड़ी थी : मंगलवार देर रात गर्मी की वजह से प्रेम कुमारी बेहोश पड़ी थी। पड़ोसियों की भीड़ लगी तो पुलिस बुलाई गई। एक पड़ोसी सहारा बने और पुलिस की मदद से एंबुलेंस से उसे अस्पताल भिजवाया। दरोगा ने महिला के इकलौते बेटे को कॉल किया तो बहू ने फोन उठाकर कहा, रात में साधन नहीं मिलेगा, हम सुबह आएंगे। बेटे ने अंत में मोबाइल ऑफ कर दिया। महिला की हालत गंभीर है। बुधवार को उसे दूसरे अस्पताल रेफर कर दिया गया।

आइये बताते हैं बुजुर्ग महिला की क्या है पूरी कहानी : शहर के चांदपुर सलोरी के रहने वाले ज्ञान चंद्र मिश्र नगर निगम प्रयागराज में बाबू थे। 2009 में वह रिटायर्ड हुए। 2010 में उनकी मौत हो गई। उनकी पत्नी प्रेम कुमारी मिश्र सलोरी के 9 कमरों के मकान में रह रही थी। साथ में इकलौता बेटा अखिलेश मिश्र पत्नी बच्चों के साथ रह रहा था। पांच माह से बूढ़ी प्रेम कुमारी धूमनगंज स्थित सैनिक कॉलोनी में किराए के मकान में रहने लगी। मिर्जापुर के एक परिवार का मकान बंद पड़ा था। महिला को बेसहारा देख उन लोगों ने दो हजार रुपए प्रतिमाह किराए पर रख दिया। बूढ़ी महिला को अकेले देख पड़ोसी मदद करने लगे। प्रेम कुमारी को 8 हजार रुपए पेंशन मिलते हैं, उसी से अन्य खर्च चलता रहा।

भीषण गर्मी में बेसुध हुई, अस्पताल ले गए पड़ोसी : रात करीब साढ़े 11 बजे के करीब पड़ोसी ओपी सिंह परिवार वहां से गुजरे तो देखा कि महिला के घर के सामने भीड़ लगी है। पूछने पर पता तबीयत बहुत खराब है। कोई अस्पताल पहुंचा दे। ओपी सिंह ने धूमनगंज थाने फोन किया तो चौकी प्रभारी गौरव सिंह पहुंचे। एंबुलेंस बुलाइ गई। महिला को मोती लाल नेहरू असपताल ले जाया गया। इसके बाद ओपी सिंह और दरोगा गौरव ने बेटे अखिलेश का नंबर पता कर उसे फोन किया। बेटे ने कहा वह अपने से चली गईं थीं। बुजुर्ग महिला की बहू ने मोबाइल ले लिया और कहा कि रात में नहीं आ सकते। साधन नहीं है। सुबह आएंगे। दरोगा ने कहा आपकी सास हैं, गंभीर हालत में हैं तो बहू ने कहा रात में परेशान न करें मैं माईग्रेन की पेशेंट हूं। इसके बाद मोबाइल ऑफ हो गया। महिला का इलाज पुलिस की मदद से शुरू हो गया। मंगलवार को ज्यादा तबीयत बिगड़ने पर उसे स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल रेफर कर दिया गया।

सुनिए पूरी कहानी पड़ोसी की जुबानी : महिला को भर्ती कराने वाले पड़ोसी ओपी सिंह का कहना है कि महिला ने अपने पड़ोसियों से बताया था कि वह क्यों बेटे का घर छोड़कर चली आई।

प्रयागराज में 6 टुकड़ों में मिली लाश की हुई शिनाख्त

कटे हुए हाथ पर लिखा था–शिवनाथ साहू, सिर और धड़ नहीं मिला

प्रयागराज। प्रयागराज में युवक की हत्या कर लाश के 6 टुकड़े कर फेंकने के मामले में पुलिस टीमें रहस्य से पर्दा उठाने में जी जान से जुटी हैं। छह टुकड़ों में बंटें मिले युवक के दो हाथ, दो पैर को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम हाउस भिजवा दिया था। बुधवार को डॉक्टरों ने कटे हाथ–पैर के टुकड़ों को चेक किया। जली स्किन को केमिकल से साफ किया तो बहुत अहम सुराग सामने आया है। मारे गए युवक के हाथ पर गोदने से लिखा है .. शिवनाथ साहू। हिंदी में बड़ा बड़ा शिवनाथ साहू लिखे होने के अलावा उसके ठीक नीचे जुलम देवी लिखा है। अभी अंदाजा लगाया जा रहा है कि शिवनाथ साहू मरने वाले का नाम हो सकता है, जबकि जुलम देवी किसी लड़की के बारे में लिखाया गया हो सकता है। पुलिस को मिले इस अहम सुराग से जांच आगे बढ़ गई है। अब पुलिस यूपी और आसपास राज्यों के जिलों से यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि शिवनाथ साहू नाम का युवक लापता तो नहीं है। शिवनाथ साहू के बारे में सभी जिलों को सूचना भेज जानकारी मांगी गई है। उधर मोबाइल टॉवर से नंबरों की स्क्रीनिंग का काम अभी चल रहा है। छांटे गए नंबरों को ट्रेस किया जा रहा है। लाश और धड़ अभी तक नहीं मिल सके हैं।

सिर और धड़ की तलाश

जारी : प्रयागराज से प्रतापगढ़ के लिंक मार्ग पर सिर और धड़ की तलाश चल रही है। पुलिस ने मोबाइल टॉवर के जरिये जांच आगे बढ़ा रखी है। जो 66 नंबर पुलिस ने ट्रेस किए हैं उनके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। बहरिया–मुबारकपुर में रात से सुबह तक एक्टिव थे। उन मोबाइल नंबरों को ट्रेस किया जा रहा है। कई संदिग्ध नंबर सर्विलांस पर हैं।

कई जिलों से लापता युवकों की सूची मांगी

डीसीपी गंगा नगर अभिषेक भारती का कहना है कि जल्द ही युवक की शिनाख्त के साथ इस सनसनीखेज वारदात से पर्दा उठ जाएगा। चूंकि बहरिया–मुबारकपुर मार्ग दो जिलों का लिंक मार्ग है। एक प्रतापगढ़ और दूसरा जौनपुर, ऐसे में शक है कि प्रतापगढ़ या जौनपुर का युवक हो और हत्या कर लाश उस रास्ते से यहां लाई गई हो। इसके अलावा पुलिस ने आसपास के जिलों से लापता युवकों के बारे में जानकारी मांगी है। ऐसे युवक जो 30 से 35 साल के हों, हाथ में कलावा बांधे हों, उन गायब युवकों के बारे में पुलिस जानकारी जुटा रही है।

आइए बताते हैं लाश के टुकड़ों का क्या है पूरा मामला

प्रयागराज में मंगलवार को खाली प्लाट में एक युवक के 6 टुकड़े में कटे हुए हाथ और पैर मिले थे। हाथ में कलावा बंधा था। इससे पता चल रहा है कि मरने वाला युवक हिंदू था। उसके सिर और धड़ गायब हैं। उम्र करीब 30 से 35 साल के बीच है। सूचना मिलने पर पुलिस और डॉग स्क्वायड की टीम ने घंटों जांच की थी। बॉडी पार्ट्स को कब्जे में ले लिया। उसके बाद जांच में जुट गई।

बदबू आने पर लोगों को हुई थी लाश फेंकने की जानकारी

मंगलवार सुबह में करीब 11 बजे यमुनापार इलाके से कुछ राहगीर गुजर रहे थे। बहरिया–मुबारकपुर मार्ग पर उनकी नजर अचानक एक खाली प्लाट में पड़ी। वहां से तेज बदबू आ रही थी। लोगों ने जाकर देखा तो सामने किसी युवक के कटे हुए हाथ और पैर पड़े हुए थे। उसका रंग काला पड़ गया था। युवक की हत्या करके उसकी लाश के टुकडे किए गए। उसके बाद उसे जलाने का प्रयास किया गया है। सिर और धड़ को गायब है। उसकी हत्या प्लानिंग के तहत की है। जानबूझकर बॉडी पार्ट्स को अलग–अलग जगह पर ले जाकर फेंका गया है। सूचना मिलने पर पुलिस और फारेंसिक की टीम मौके पर पहुंची। मौके से साक्ष्य जुटाए। अभी तक सिर और धड़ को बरामद नहीं किया जा सका है।

पहले जलाने की कोशिश की, जब बॉडी पूरी तरह से नहीं जली तो फेंक दिया

डीसीपी गंगा नगर अभिषेक भारती ने घटना स्थल पर मौजूद लोगों से बात की। उनसे लाश के बारे में जानकारी ली। युवक कौन है, उसकी हत्या किसने और क्यों की है। लाश को कब और किसने फेंका इस बारे में पता लगाया जा रहा है। शव की पहचान के लिए प्रयागराज से लेकर प्रतापगढ़ तक पुलिस टीम लगाई गई है। उन्होंने बताया, सड़क किनारे की जमीन पर टुकड़ों में लाश लाकर जलाने की कोशिश हुई। जब बॉडी पूरी तरह से नहीं जली तो हाथ पैर यहां फेंक दिए गए। जबकि सिर और धड़ कहीं और ले जाकर फेंका ताकि पहचान न हो सके।

यमुना की बहती धारा में योगा

प्रयागराज में बच्चों और महिलाओं ने किया योगाभ्यास, दिया स्वस्थ रहने का संदेश

प्रयागराज। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है। प्रयागराज इसकी तैयारियां जोरों पर चल रही है। यहां नवजीवन तैराकी क्लब की ओर से योग के प्रति जागरूक करने की अनूठी पहल की गई है। यहां बरगद घाट के पास यमुना की बहती धारा के बीच योगाभ्यास किया गया। यहां 100 से ज्यादा महिलाएं–पुरुष व बच्चों ने एक साथ योग के सभी आसन किए।

कुछ लोग अपने हाथों में इंटरनेशन योगा डे लिखा हुआ तख्तियां भी लिए हुए थे। करीब एक घंटे तक चले योग के दौरान इन लोगों ने ज्यादा से ज्यादा लोगों को पानी में योग करने के लिए प्रेरित किया।

पुराणों में है पानी में योगाभ्यास का जिक्र : त्रिभुवन : यहां प्रशिक्षक त्रिभुवन निषाद व ओम भारद्वाज लोगों को पानी के बीच योग करने का टिप्स समझा रहे हैं। त्रिभुवन निषाद कहते हैं कि पानी में योग करने का जिक्र हमारे पुराणों में है। ऐसे योग से हमारा शरीर ताजगी से परिपूर्ण रहता है, हम एकाग्रचित रहते हैं। ओम भारद्वाज कहते हैं कि "हम इस तरह का योगाभ्यास कराके यह संदेश देना चाहते हैं योग के प्रति ज्यादा से ज्यादा लोग जागरूक हों और सिर्फ एक दिन नहीं बल्कि प्रतिदिन योग करें।"

अशरफ की पत्नी जैनब के घर पर चल रहा बुलडोजर

5 करोड़ से बनवाया था, अतीक गैंग की 1800 करोड़ की संपत्ति हो चुकी कुर्क

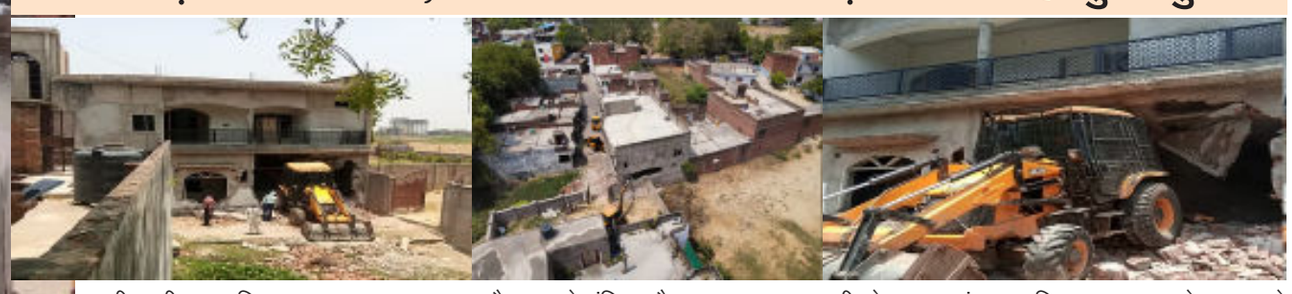

प्रयागराज। प्रयागराज में माफिया अतीक के भाई अशरफ की पत्नी फातिमा जैनब के घर को बुलडोजर से गिराया जा रहा है। पुलिस और प्रशासन की टीम सुबह 11.30 बजे सल्लाहपुर इलाके में जैनब के घर पहुंची। 3 बुलडोजर इमारत को गिराने में लगे हैं। पुलिस ने आसपास बैरिकेडिंग कर दी है। भीड़ को वहां से हटा दिया है। ड्रोन से पूरे इलाके की निगरानी की जा रही है। पुलिस अफसर ने बताया कि जैनब के घर के सटा हुआ उसके भाई जैद मास्टर का घर बना हुआ है। दोनों ने वक्फ बोर्ड की संपत्ति पर कब्जा करके आलीशान घर बनाया था। यह जमीन करीब 50 करोड़ रुपए की है। जैनब का मकान अतीक के घर से करीब 3 किमी की दूरी पर बना हुआ है। 26 फरवरी 2023 को प्रयागराज में वकील उमेश पाल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। तब से अशरफ की पत्नी जैनब फरार है। 15 अप्रैल को 2023 को प्रयागराज में अशरफ और अतीक की हत्या कर दी गई थी, तब से जैद मास्टर भी फरार था। अब तक अतीक अहमद, भाई अशरफ और गैंग की 1800 करोड़ की संपत्ति कुर्क की जा चुकी है। 13 मकान पर बुलडोजर चल चुका है।

4 बुलडोजर ने गिराया जैनब के मकान का छत

प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने करीब 1 घंटे की कार्रवाई के बाद जैनब के 2 मंजिला मकान का छत गिरा दिया है। 4 बुलडोजर मकान गिराने में लगे हैं।

ड्रोन कैमरे को देखकर छिप जा रहे बच्चे

जैनब के घर पर बुलडोजर कार्रवाई के बीच ड्रोन कैमरे का एक वीडियो सामने आया है। जिसमें कुछ बच्चे घर की रेलिंग पर खड़े दिख रहे हैं। ड्रोन कैमरा जब उनकी तरफ मुड़ता है तो वह गत्ते से अपना चेहरा ढक लेते हैं। दरअसल, बुलडोजर कार्रवाई को लेकर पूरे इलाके में फोर्स तैनात है। ड्रोन से निगरानी की जा रही है।

प्रशासन ने चौथा बुलडोजर मंगाया

प्रयागराज विकास प्राधिकरण 11.30 बजे से 3 बुलडोजर से मकान गिराने की कार्रवाई कर रहा है। डेढ़ बजे एक और बुलडोजर मंगाया गया है।

प्रशासन ड्रोन से कर रहा निगरानी

जैनब के मकान पर कार्रवाई को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। किसी तरह का कोई हंगामा ना हो, इसलिए ड्रोन से एरिया की निगरानी की जा रही है।

अतीक के रसूख से वक्फ की जमीन पर किया था कब्जा

जैनब और उसके भाई जैद ने अतीक और अशरफ के रसूख का इस्तेमाल करके वक्फ बोर्ड की जमीन पर कब्जा किया था। इसी जमीन पर आलीशान मकान बनवाया था। प्रयागराज में पिछले साल हुए चर्चित उमेश पाल हत्याकांड में जैनब भी आरोपी है। उसके खिलाफ 25 हजार का इनाम भी घोषित है।

जैनब के मकान पर बुलडोजर कार्रवाई शुरू

अभी तक जैनब के भाई जैद के घर पर बुलडोजर चल रहा था। अब जैनब के घर पर बुलडोजर कार्रवाई शुरू हो गई है। यह मकान प्रयागराज के सललाहपुर इलाके में है।

जिस मकान पर चल रही बुलडोजर कार्रवाई, उसकी कीमत 4 करोड़

2000 वर्ग गज में बने जैनब और उसके भाई जैद के आलीशान मकान की कीमत 4 करोड़ रुपए बताई जा रही है। मकान के अगले हिस्से में दुकानें भी बनी हैं। इसका किराया अशरफ के ससुराल वालों को मिलता था।

घर के अंदर के पिलर तोड़े जा रहे

अशरफ की पत्नी जैनब के भाई जैद मास्टर के मकान की बाउंड्री और घर की दीवार तोड़ने के बाद घर के अंदर के पिलर तोड़े जा रहे हैं।

भाई के घर के पीछे बना जैनब का घर

पुलिस ने बताया कि जैद के घर के पीछे ही जैनब का घर बना हुआ है। यह दो मंजिला है। जैद के घर गिराने के बाद जैनब का घर गिराया जाएगा।

पहले जैद और फिर जैनब के मकान पर चलेगा बुलडोजर

यह जैद मास्टर का घर है। पहले जैद मास्टर के घर पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। इसके पीछे जैनब का मकान बना हुआ है। उसे भी पुलिस बुलडोजर से ढहाएगी।

एसीपी के नेतृत्व में कई थानों की फोर्स मौजूद

जैनब फातिमा, जैद मास्टर के मकान पर बुलडोजर और वक्फ संपत्ति खाली कराने के लिए एसीपी धूमनगंज वरुण कुमार के नेतृत्व दो एसीपी, पूरामुफ्ती, धूमनगंज, एयरपोर्ट थानों की फोर्स मौके पर मौजूद है। पुलिस लाइन की एक भी है।

अमेरिका में शिफ्ट हुए एजाज ने दान में दी थी जमीन

केयर टेकर माबूद आलम ने पूरामुफ्ती थाने में लिखाई रिपोर्ट में बताया– अकबरपुर सल्लाहपुर स्थित सुन्नी वक्फ बोर्ड नम्बर 67 की जमीन अवैध रूप से हड़प ली गई है। अमेरिका में रह रहे मालिक सैयद मोहम्मद एजाज ने वर्षों पहले 50 करोड़ की जमीन वक्फ बोर्ड को दान में दी थी। इसका मुतवल्ली मो. असियम था। मुतवल्ली ने ही संपत्ति की देखभाल के लिए उसे नियुक्त किया था।

वक्फ लैंड के केयर टेकर ने दर्ज कराया था केस

जैनब और उसका भाई जैद मास्टर पूरामुफ्ती के हटवा गांव के रहने वाले हैं। अशरफ का साला जैद उमेश पाल हत्याकांड के बाद से फरार चल रहा है। नवंबर 2023 में उसके खिलाफ वक्फ बोर्ड की 50 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी हड़पने के मामले में केस दर्ज हुआ। यह केस केयरटेकर माबूद अहमद ने दर्ज कराया था। केस में वक्फ की जमीन के पूर्व मुतवल्ली मो. असियम, अशरफ की पत्नी जैनब, साले जैद और सद्दाम, शिबली प्रधान समेत अन्य को नामजद किया गया।

प्रयागराज में माफिया अतीक का आईएस–227 गैंग पर एक्शन

प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद और अशरफ के रिश्तेदारों और आईएस–227 गैंग मेंबर पर पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। अशरफ की फरार पत्नी 25 हजार की इनामी जैनब फातिमा का मकान और जमीन अब कार्रवाई की जद में है। यह वक्फ बोर्ड की संपत्ति है। जैनब, उसके भाई जैद मास्टर ने 50 करोड़ से अधिक की इस वक्फ संपत्ति पर कब्जा किया था। अवैध रूप से कब्जा की गई इस संपत्ति पर जैनब के लिए आलीशान घर बना है। अशरफ के साले जैद मास्टर ने भी इसी जमीन पर अपना मकान बनवाया। जैनब के साथ ही उसका भाई जैद मास्टर भी फरार है। सल्लाहपुर स्थित 50 करोड़ की संपत्ति को लेकर पुलिस और प्रशासनिक टीम ने जांच की थी। अब इस संपत्ति पर विकास प्राधिकरण का बुल्डोजर चलने वाला है। कई बार मकानों को तोड़कर वक्फ संपत्ति पर कब्जा लेने की बात सामने आई। लेकिन सुरक्षा कारणों से मामला टल गया। अब गुरुवार दोपहर एक बार फिर जैनब फातिमा और जैद मास्टर के घर पर बुलडोजर चलाने की तैयारी है। दोपहर में फोर्स पहुंचने का आदेश हुआ है।

प्रयागराज के हटवा गांव में मिली थी जैनब की आखिरी लोकेशन

अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा उमेश पाल हत्याकांड के बाद से फरार है। उसकी लास्ट लोकेशन अपने मायके प्रयागराज के हटवा गांव में मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन उसका पता नहीं चला। कहा जाता है कि बुर्कानशी महिलाओं के बीच वह निकल भागी थी। जैनब की तलाश में प्रयागराज के अलावा दिल्ली, मेरठ, बरेली जिलों में छापेमारी हुई। बाद में जैनब पर 25 हजार रुपए इनाम घोषित कर दिया गया।

जैनब का भाई जैद मास्टर पर जल्द घोषित होगा इनाम

अशरफ का साला और जैनब का भाई जैद मास्टर पर भी जमीन हड़पने, रंगदारी मांगने समेत 10 से ज्यादा केस हैं। 12 दिन पहले जैद मास्टर और सद्दाम की हिस्ट्रीशीट प्रयागराज पुलिस ने ओपन की गई। सद्दाम अभी जेल में बंद है। डीसीपी दीपक भूकर ने कहा कि जल्द ही फरार चल रहे जैद मास्टर पर इनाम घोषित किया जाएगा।

प्रयागराज में देर रात बूंदाबादी, तापमान में 7 डिग्री गिरा

प्रयागराज। प्रयागराज में बुधवार की देर रात हल्की बूंदाबांदी हुई है। लगातार तीसरे दिन भी लोगों को गर्मी से राहत मिल रही है। आज गुरुवार को भी मौसम सामान्य स्थिति में है। तापमान में 6 से 7 डिग्री तक की कमी रिकार्ड की गई है। बादलों के आने से सूरज की तपिश में कमी हुई है। यहां का तापमान जो तीन दिन पहले 46–47 डिग्री तक पहुंच गया था वह अब 40 डिग्री से भी नीचे पहुंच गया है। आज सुबह 9 बजे तक तापमान 33 डिग्री रहा जबकि दोपहर एक से दो बजे तक बढ़कर 39 डिग्री तक पहुंचेगा। यानी 6 से 7 डिग्री तक तापमान में कमी आई है।

काटजू बाग व गायत्री नगर में 2 दिन रहेगी बिजली समस्या

पीडीए द्वारा चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य के चलते आज गुरुवार और कल शुक्रवार को बिजली की कटौती होगी। तेलियरगंज उपखंड अधिकारी अंकित सिंह ने बताया है कि 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र न्यू एमईएस के अधीन 11 केवी काटजू बाग तथा गायत्री नगर फीडर 20 एवं 21 जून को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक बंद रहेगा। इस अवधि में बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। वहीं करेली इलाके में भी लोग बिजली कटौती से परेशान हैं।

प्रयागराज में तेज रफ्तार अनियंत्रित होकर पलटी सफारी कार

फूलपुर, प्रयागराज। प्रयागराज में तेज रफ्तार अनियंत्रित होकर एक सफारी कार पलट गई। हादसे में एक शख्स की मौत हो गई है। वहीं उसका 4 साथी घायल हुए हैं। मामला उतराव थाना क्षेत्र के खोदायपुर नेशनल हाईवे का है। कार चालक बीती रात खोदायपुर हाईवे सर्विस रोड पर बलीपुर की तरफ से सहसो जा रहा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि कार की रफ्तार काफी तेज थी। चालक का नाम दीपक कुमार (25) है।जोकि एकडला उतरांव का रहने वाला है। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। घायलों में सत्यम यादव, बंटी, रिजवान, मो. अमन शामिल है। जिनका इलाज जारी है। लोगों ने बताया, कार की रफ्तार बहुत तेज होने से पेड़ से टकरा गई थी। टक्कर होने के बाद कार पलट कर नाली में जा फंसी। ग्रामीणों ने किसी तरह से सभी घायलों को बाहर निकाला। एम्बुलेंस से सभी को अस्पताल भेजा है। वहीं मृतक का आज अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

कृषि भूमि होने पर अनुकंपा नियुक्ति खारिज नहीं हो सकती

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि यनि अनुकंपा नियुक्ति के आवेनक के बाद कृषि भूमि है तो अनुकंपा नियुक्ति के दावे को खारिज नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए दिए गए आवेदन को कृषि भूमि होने के आधार पर निरस्त करने के आदेश को रद्द कर दिया और फिर से आवेदन पर पुनर्विचार के लिए वापस भेज दिया। कोर्ट ने कहा कि किसी मृतक कर्मचारी के परिवार के पास कृषि जोत होने मात्र से आय का अनुमान नहीं लगाया जा सकता।

जिला गन्ना अधिकारी संभल ने मृतक सरकारी कर्मचारी के बेटे द्वारा दायर अनुकंपा नियुक्ति के दावे को खारिज किया गया है। बेटे ने 18 साल की उम्र में 2020 में पिता के स्थान पर अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया था। उसने दावा किया था कि 2011 में उसके पिता की मृत्यु के बाद उसका परिवार भुखमरी की कगार पर था। पिता संभल जिले के चंदौसी में जिला गन्ना अधिकारी के आफिस में स्टॉक क्लर्क के पद पर तैनात थे।

कृषि भूमि होने पर अस्वीकार कर दिया था

अधिकारी ने आवेदन को कर्मचारी की मृत्यु के बाद दस साल तक परिवार के जीवित रहने और उनके पास कुछ कृषि भूमि होने के आधार पर अस्वीकार कर दी थी। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर की एकल पीठ ने कहा, "जिला गन्ना अधिकारी, संभल ने यह पता लगाने का कोई प्रयास नहीं किया है कि याचिकाकर्ता बेटा अमन पाठक या उसकी मां, यानी मृतक के आश्रित परिवार को इन छोटी जोतों से कितनी उपज मिलती है। याची और उसकी मां के पास दो अलग–अलग गांवों में एक ही आकार की कृषि जोत होने से यह अनुमान नहीं लगाया जा सकता कि इससे याची या मृतक द्वारा छोड़े गए परिवार को उचित आय होती होगी। ऐसा करने के लिए, जिला गन्ना अधिकारी को आगे की जाँच करनी होगी और याचिकाकर्ता और उसकी माँ को इन जोतों से होने वाली वार्षिक उपज पर एक रिपोर्ट देनी होगी।

आवेदन में देरी पर कोर्ट ने कहा याचिकाकर्ता 9 साल का था : दावा दायर करने में देरी के बारे में न्यायालय ने कहा कि जहां तक घ्अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन करने में देरी का सवाल है, यह स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता 9 साल का लड़का था, जब उसके पिता का निधन हो गया था। उसे पिता के निधन के 9 साल बाद आवेदन करने के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता। जाहिर है कि उसने वयस्क होते ही आवश्यक आवेदन कर दिया था।

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं बंश बहादुर सिंह पुत्र स्व0 श्रीनाथ सिंह, निवासी-56बी/1ए, अबूबकरपुर, लोहिया नगर, धूमनगंज, तहसील सदर, जनपद प्रयागराज का रहने वाला हूं, **जिनका गाटा संख्या 34, मौजा दादनपुर, परगना व तहसील सदर, जनपद प्रयागराज का गृह ऋण पिरामल कैपिटल एण्ड हाऊसिंग फाइनेंस लिमिटेड से चल रहा था।** मेरी पत्नी स्व. नयन तारा सिंह का निधन (हार्ट अटैक से) एस0आर0एन0 हॉस्पिटल प्रयागराज में दिनांक 20.04. 2021 को हो गया है। **मेरे द्वारा गृह ऋण समाप्त कर दिया गया है। अतः इस सम्पत्ति का कागंज कम्पनी द्वारा मुझे देने का अनुरोध करता हूँ।** अतः अगर किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो पिरामल कैपिटल एण्ड हाऊसिंग फाइनेंस लिमिटेड से सम्पर्क करे।

बंश बहादुर सिंह
पुत्र स्व0 श्रीनाथ सिंह,
निवासी- 56बी/1ए.
अबूबकरपुर, लोहिया नगर,
धूमनगंज, तहसील सदर,
जनपद प्रयागराज

संक्षिप्त

सेबी ने ओला इलेक्ट्रिक, एमक्योर फार्मा को आईपीओ लाने की मंजूरी दी

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन विनिर्माता ओला इलेक्ट्रिक और दवा कंपनी एमक्योर फार्मास्युटिकल्स को वित्त जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी से आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की मंजूरी मिल गई है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना के मुताबिक, इन दोनों ही कंपनियों के आईपीओ संबंधी दस्तावेजों के मसौदे को 10 जून को स्वीकृति मिल गई है। इसका मतलब है कि अब दोनों ही कंपनियां अपने–अपने आईपीओ लाने की दिशा में आगे बढ़ सकती हैं। ओला इलेक्ट्रिक के प्रस्तावित आईपीओ में 5,500 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करने के अलावा प्रवर्तकों एवं निवेशकों के पास मौजूद 9.52 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश की जाएगी। बेंगलुरु स्थित ओला इलेक्ट्रिक ने अगस्त, 2021 में अपना पहला ईवी दोपहिया मॉडल पेश किया था। यह इलेक्ट्रिक दोपहिया बनाने के अलावा इनके लिए बैटरी पैक एवं मोटर भी बनाती है। दवा क्षेत्र की कंपनी एमक्योर फार्मास्युटिकल्स के आईपीओ में 800 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करने के साथ प्रवर्तकों के पास मौजूद 1.36 करोड़ इक्विटी शेयरों की भी बिक्री पेशकश की जाएगी। आईपीओ से से जुटाई जाने वाली राशि का इस्तेमाल कर्ज के भुगतान और सामान्य कंपनी कामकाज के लिए किया जाएगा।

एलन मस्क ने एडवर्टाइजर्स को दिया कड़ा संदेश, कहा मुनाफे पर नहीं है एक्स का फोकस...

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स कंपनी ऐसे समय में ब्रांडों के लिए एक सुरक्षित स्थान बनने की दिशा में प्रगति की है, जब कुछ प्रमुख विज्ञापनदाताओं ने ऐप को छोड़ दिया है। ये जानकारी कंपनी के सीईओ एलन मस्क ने दी है। एक्स के मालिक एलन मस्क ने बोलने की स्वतंत्रता को मुनाफे से अधिक अहम बताया है। एलन मस्क ने कहा कि मुक्त अभिव्यक्ति, मुनाफे से अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कान्स लायंस इंटरनेशनल फेस्टिवल ऑफ क्रिएटिविटी में अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विज्ञापनों के बारे में बात की। ब्रांड सुरक्षा के बारे में बात करते हुए एलन मस्क ने कहा, विज्ञापनदाताओं को उस सामग्री के आसपास दिखने का अधिकार है जो उन्हें अपने ब्रांड के अनुकूल लगे। यह बिल्कुल ठीक है। उन्होंने कहा, यह बात

अच्छी नहीं है कि इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि मंच पर ऐसी कोई सामग्री नहीं हो सकती जिससे वे असहमत हों। एलन मस्क ने कहा कि कंपनी ने ऐसे समय में ब्रांडों के लिए एक सुरक्षित स्थान बनने की दिशा में प्रगति की है, जब कुछ प्रमुख विज्ञापनदाताओं ने प्लेटफॉर्म पर अनुमत सामग्री के प्रकार के बारे में चिंताओं के कारण ऐप को छोड़ दिया था। एक्स पर अपने खुद के पोस्ट के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं समय–समय पर खुद को ही नुकसान पहुँचाता हूँ। अगर आप लगातार फ़िल्टर से गुज़र रहे हैं, तो अब आप असली नहीं हैं। असली होना बेहतर है। उन्होंने कहा कि चुनाव की स्वतंत्रता सर्वोपरि है, हम सेंसरशिप के लिए पैसे नहीं लेना चाहते। मुझे लगता है कि यह गलत होगा। एलन मस्क और एक्स की सीईओ लिंडा याकारिनो ने नई वीडियो साझेदारी के माध्यम से सोशल प्लेटफॉर्म के विज्ञापन व्यवसाय को बढ़ावा देने का प्रयास किया है। एलन मस्क ने कंपनी के कारोबार को विज्ञापन से अलग करने की भी कोशिश की है और सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि उन्होंने कंपनी का कार्यभार संभालने के बाद एक नई सदस्यता सेवा की बिक्री शुरू की है। उन्होंने भुगतान सेवाओं के साथ एक्स को सब कुछ ऐप बनाने की योजना की भी घोषणा की है।

राजेश कुमार द्विवेदी ने ठभ्म्स् के निदेशक–वित्त का कार्यभार संभाला

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी बीएचईएल लिमिटेड ने बृहस्पतिवार को कहा कि राजेश कुमार द्विवेदी ने कंपनी के निदेशक (वित्त) का पदभार ग्रहण कर लिया है। बीएचईएल ने बयान में कहा कि इससे पहले द्विवेदी कंपनी में कॉरपोरेट वित्त के महाप्रबंधक और प्रमुख रह चुके हैं। द्विवेदी (56) भारतीय लागत लेखाकार संस्थान के प्रतिष्ठित फेलो

सदस्य हैं और उनके पास एमबीए डिग्री है। बयान के अनुसार, द्विवेदी 1992 में बीएचईएल में कार्यकारी प्रशिक्षु (वित्त) के रूप में शामिल हुए। उनके पास बिजली क्षेत्र में व्यावसायिक रणनीतियों, विनिर्माण और परियोजना निर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों में 32 वर्षों से अधिक का समृद्ध और विविध अनुभव है। . ..साथ ही उनके पास सितंबर, 2022 से हैवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड, रांची में निदेशक (वित्त) का अतिरिक्त प्रभार संभालने का बोर्ड स्तर का अनुभव भी है।

अफगानिस्तान के सामने भारतीय बल्लेबाजी की परीक्षा, कुलदीप और चहल में किसकी होगी एंट्री ?

ब्रिजटाउन (बारबाडोस)। भारतीय टीम टी20 विश्व कप में सुपर–8 अभियान की शुरुआत बृहस्पतिवार को अफगानिस्तान के खिलाफ करने जा रही है। टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैच हो या फिर टी–20 विश्वकप, अफगानिस्तान की टीम भारत को कभी नहीं हरा पाई है। बावजूद इसके रोहित शर्मा की टीम छुपे रुस्तम अफगानिस्तान को हल्के में नहीं लेगी। कारण साफ है, अफगानिस्तान इस विश्वकप में तीन जीत हासिल कर सुपर–8 में पहुंचा है। उसने न्यूजीलैंड जैसी टीम को महज 75 रन पर समेटकर 84 रन से बड़ी जीत हासिल की थी। उसकी ताकत कप्तान राशिद खान की अगुआई में उसके गेंदबाज हैं। इस मुकाबले में भारतीय टीम के सामने उलझन टीम संयोजन को लेकर होगी। अमेरिका के मुकाबले वेस्टइंडीज में पिचों का मिजाज धीमा और कुछ हद तक बल्लेबाजों के हक में है। ऐसे में कुलदीप यादव को लेकर मंथन चल रहा है।

देखना होगा कि रोहित शर्मा टीम में कुलदीप या चहल में से किसी को लेकर आते हैं या फिर अंतिम एकादश में कोई छेड़छाड़ नहीं करते हैं।

टीम में सिराज होंगे या कुलदीप?

केंसिंग्टन ओवल में भारतीय टीम के अभ्यास सत्र को देखकर लगा कि यहां स्पिनरों को मदद मिलने वाली है। साथ ही नई गेंद से तेज गेंदबाजों को स्विंग भी मिलेगा। न्यूयॉर्क में भारत तेज गेंदबाज बुमराह, सिराज, अर्शदीप और ऑलराउंडर हार्दिक, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल के साथ उतरा था। इस आक्रमण के साथ उतरने में रोहित को बल्लेबाजी में गहराई मिल रही है, जिसका गेंदबाजी को सहायता देने वाली अमेरिकी पिचों पर भारत को फायदा भी मिला। ब्रिजटाउन में भारत को एक कलाई के स्पिनर की जरूरत होगी। देखना यह होगा कि कुलदीप को अर्शदीप या सिराज पर वरीयता दी जाती है या फिर उन्हें सिराज के स्थान पर खिलाया जाता है। कोच राहुल द्रविड़ ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बदलाव के संकेत भी दिए हैं। उन्होंने कुलदीप–चहल में से किसी एक रिस्ट स्पिनर को खिलाने की वकालत की है।

यहां स्पिनरों के सामने होंगे शिवम

शिवम दुबे की खासियत स्पिनरों पर छक्का लगाने की है। अमेरिका में उन्हें तेज गेंदबाजों के सामने ज्यादा मौका नहीं मिला। वह सिर्फ एक छक्का लगा पाए, लेकिन यहां उनके सामने स्पिनर होंगे। अफगानिस्तान के पास राशिद खान, नूर अहमद, मोहम्मद नबी जैसे स्पिनर हैं। ऐसे में रोहित शिवम को टीम में बरकरार रख सकते हैं। बल्लेबाजी में गहराई के चलते रोहित अक्षर को भी टीम में रखना चाहेंगे। ऐसे में कुलदीप की टीम में जगह एक तेज गेंदबाज को कम करने से बन रही है। रोहित पहले भी कह चुके हैं कि उनकी कोशिश अपने चारों ऑलराउंडरों को टीम में खिलाने की होगी, जिससे उन्हें निचले क्रम तक बल्लेबाजी मिल सके।

विराट ने रनों के लिए जमकर बहाया पसीना

टीम संयोजन के अलावा भारत की एकमात्र चिंता विराट कोहली का ग्रुप दौर में नहीं चलना हो सकता है। विराट ओपनिंग करते हुए तीन मैचों में सिर्फ पांच रन बना पाए हैं। अमेरिका के खिलाफ वह गोल्डन डक पर आउट हुए थे। हालांकि अभ्यास सत्र में विराट ने कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने हर तरह के गेंदबाज पर लंबी बल्लेबाजी की। उम्मीद यही है कि विराट एक बार फिर रोहित शर्मा के साथ ओपनिंग करने उतरेंगे। सूर्यकुमार भी अमेरिका के खिलाफ नाबाद 50 रन बनाकर अपने फॉर्म में आने का परिचय दे चुके हैं। हार्दिक पंड्या गेंदबाजी से शानदार रहे हैं, लेकिन बल्लेबाजी में उन्हें अपनी छाप छोड़ने की जरूरत है। पाकिस्तान के खिलाफ वह नहीं चल पाए थे।

फारूकी से रहना होगा सावधान

अफगानिस्तान को अपने अंतिम ग्रुप मैच में मेजबान वेस्टइंडीज के हाथों करारी हार मिली है। कप्तान राशिद खान इस हार को झटके रूप में जरूर देख रहे हैं, लेकिन उनका कहना है कि टीम मनोबल काफी ऊंचा है और यह हार हमें प्रभावित नहीं करेगी। राशिद कहते हैं कि हम अपना पहला लक्ष्य हासिल कर चुके हैं। अब दूसरे लक्ष्य को हासिल करने की बारी है। अफगानिस्तान के लिए इस विश्वकप में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी एक हीरो के रूप में उभरे हैं। वह चार मैचों में 12 विकेट ले चुके हैं और टूर्नामेंट में अब तक सर्वाधिक विकेट हासिल करने गेंदबाज हैं। रोहित और विराट का बतौर ओपनर उनका सामना करना आसान नहीं होगा। उन्हें नई गेंद से काफी स्विंग मिली है। उन्हें अब तक खेलना आसान नहीं रहा है।

राशिद के सवालों से होगा बचाना

मध्य ओवर में अफगानिस्तान के पास खुद राशिद खान हैं, जो काफी किफायती रहते हैं। भारतीय मध्य क्रम के सामने उन के खिलाफ रन बनाने की चुनौती रहेगी। हालांकि भारत के पास अफगानिस्तान की स्पिन की काट में पावरप्ले में तेजी रन बनाना होगी।

इंग्लैंड की सुपर–8 में पहली जीत, विंडीज टीम को आठ विकेट से हराया, सॉल्ट–बेयरस्टो ने मचाया धमाल

ग्रोस आइलेट। इंग्लैंड ने गुरुवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ आठ विकेट से हराकर ग्रुप–2 की अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। वहीं, मेजबान –1.343 के नेट रनरेट के साथ चौथे पायदान पर पहुंच गई। दूसरे स्थान पर अपने पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका है। उनका नेट रनरेट +0.900 है। तीसरे स्थान पर सह–मेजबान अमेरिका है जिनका नेट रनरेट –0.900 है। चारों ही टीमों को अभी दो–दो मुकाबले और खेलने हैं। सेंट लूसिया के ग्रॉस आइलेट स्थित डैरन सेमी राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस मैच में इंग्लैंड ने वेस्टंडीज को हराकर सेमीफाइनल के लिए अपनी दावेदारी मजबूत कर ली है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी विंडीज टीम ने 20 ओवर में चार विकेट पर 180 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड ने 17.3 ओवर में दो विकेट पर 181 रन बनाए और आठ विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

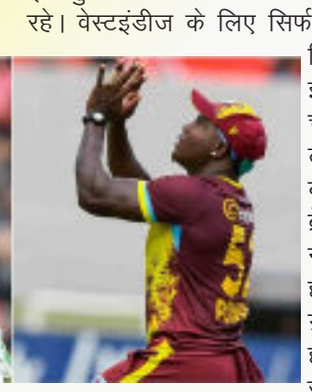

सॉल्ट और बेयरस्टो ने मचाया धमाल

181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत इस मैच में दमदार हुई। फिल सॉल्ट और जोस बटलर के बीच पहले विकेट के लिए 67 रनों की साझेदारी हुई। आठवें ओवर में रॉस्टन चेज ने कप्तान को एलबीडब्ल्यू आउट किया। वह 22 गेंदों में 25 रन बनाकर आउट हुए। टीम को दूसरा झटका मोईन अली के रूप में लगा। उन्हें रसेल ने 11वें ओवर की पहली गेंद पर जॉनसन चार्ल्स के हाथों कैच कराया। वह सिर्फ 13 रन बना सकीं। इसके बाद मोर्चा जॉनी बेयरस्टो ने संभाला। उन्होंने फिल सॉल्ट के साथ तीसरे विकेट के लिए 97 रनों की नाबाद साझेदारी निभाई। पारी के 16वें ओवर में सॉल्ट ने रोमारियो शेफर्ड को निशाना बनाया और 30 रन झटके उन्होंने चौके–छक्कों की बरसात के साथ टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया। सॉल्ट इस मुकाबले में 87 रन और बेयरस्टो 48 रन बनाकर नाबाद रहे। वेस्टइंडीज के लिए सिर्फ रसेल और चेज ने एक–एक विकेट चटकाया। वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ 20 ओवर में चार विकेट पर 181 रन बनाए। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी विंडीज टीम को ब्रेंडन किंग और जॉनसन चार्ल्स ने दमदार शुरुआत दिलाई। हालांकि, पांचवें ओवर में किंग ग्रोइन इंजरी की वजह से रिटायर्ड हर्ट हो गए। वह 13 गेंदों में 23 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद मोर्चा निकोलस पूरन ने संभाला। उन्होंने चार्ल्स के साथ पहले विकेट के लिए 54 रनों की साझेदारी निभाई जिसे 12वें ओवर में मोईन अली ने तोड़ा। उन्होंने सलामी बल्लेबाज चार्ल्स को 94 रन के स्कोर पर आउट किया। वह 34 गेंदों में 38 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए रोवमैन पॉवेल ने धमाल मचाया। उन्होंने पूरन के साथ दूसरे विकेट के लिए 43 रनों की पार्टनरशिप की। 15वें ओवर में लियाम लिविंगस्टोन ने पॉवेल को आउट कर दिया। वह 36 रन बनाने में कामयाब हुए। वहीं, पूरन चार चौकों और एक छक्के की मदद से 36 रन बनाने में कामयाब हुए। इस मैच में रसेल सिर्फ एक रन बना सके। वहीं, रदरफोर्ड 28 और रोमारियो शेफर्ड पांच रन बनाकर नाबाद रहे।

द. अफ्रीका ने लगातार पांचवां मैच जीता, 15 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी की, यूएसए को 18 रन से हराया

एंटीगुआ। दक्षिण अफ्रीका ने सुपर–8 के पहले मुकाबले में अमेरिका को 18 रन से हरा दिया है। एंटीगुआ में खेले गए सुपर–8 ग्रुप–2 के इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 194 रन बनाए थे। जवाब में अमेरिका की टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 176 रन ही बना सकी। अमेरिका की पारी के दौरान 19वें ओवर में कगिसो रबाडा ने हरमीत सिंह का विकेट लेकर मैच पलट दिया। आखिरी दो ओवर में अमेरिका को 28 रन चाहिए थे। तब हरमीत और आंद्रीज गौस क्रीज पर थे। पहली ही गेंद पर हरमीत कैच आउट हो गए। उन्होंने 22 गेंद में 38 रन की पारी खेली थी। गौस के साथ 91 रन की साझेदारी निभाई थी। हालांकि, हरमीत के आउट होने पर मैच पलट गया। रबाडा के 19वें ओवर में दो रन आए और आखिरी ओवर में अमेरिका को जीत के लिए 26 रन चाहिए थे और टीम सिर्फ सात रन बना सकी। गौस 47 गेंद में पांच चौके और पांच छक्के की मदद से 80 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका की ओर से क्विंटन डिकॉक ने 74 रन की पारी खेली थी।

सरकार ने मलावी, जिम्बाब्वे को 2,000 टन गैर–बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी

नयी दिल्ली। सरकार ने दो अफ्रीकी देशों – मलावी और जिम्बाब्वे को 2,000 टन गैर–बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा है कि निर्यात को राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से अनुमति दी गई है। हालांकि घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए 20 जुलाई, 2023 से गैर–बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन अनुरोध पर कुछ देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों

को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा दी गई अनुमति के आधार पर निर्यात की मंजूरी है। मलावी दक्षिण–पूर्वी अफ्रीका में एक स्थलरुद्ध देश है, जबकि जिम्बाब्वे एक दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्र है। अधिसूचना के अनुसार, दोनों देशों को 1,000 टन गैर–बासमती चावल के निर्यात की अनुमति दी गई। डीजीएफटी ने कहा, "एनसीईएल अधिसूचना के माध्यम से मलावी और जिम्बाब्वे को गैर–बासमती सफेद चावल का निर्यात की मंजूरी।" भारत ने पहले भी नेपाल, कैमरून, कोट डी आइवर, गिनी, मलेशिया, फिलीपींस और सेशेल्स जैसे देशों को ऐसे निर्यात की अनुमति दी है। एनसीईएल एक बहु–राज्य सहकारी समिति है। इसे देश की कुछ प्रमुख सहकारी समितियों द्वारा संयुक्त रूप से बढ़ावा दिया जाता है। इन समितियों में गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ (जीसीएमएमएफ), भारतीय कृषक उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको), कृषक भारती सहकारी लिमिटेड (कृभको), और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (नेफेड) हैं। जीसीएमएमएफ को अमूल के नाम से जाना जाता है।

अब समुद्री विमान उड़ाना हुआ आसान, परिचालन को बढ़ावा देने के लिए डीजीसीए ने नियमों में किया बदलाव

देश में सीप्लेन परिचालन को बढ़ावा देने के लिए नागरिक विमानन नियामक महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इसके सुचारू संचालन के लिए नियमों में बदलाव किया है। केंद्र सरकार की प्रमुख क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना उड़ान के तहत ही सीप्लेन संचालन से संबंधित मानदंडों में बदलाव कर इन्हें आसान बनाया गया है। इस संबंध में डीजीसीए ने कहा कि संशोधित नियम उनके कार्य समूह द्वारा संबंधित नियामक ढांचे को सुव्यवस्थित और अद्यतन करने की सिफारिश के बाद जारी किए गए हैं। डीजीसीए के बयान के मुताबिक महत्वपूर्ण संशोधन बुनियादी ढांचे की प्रक्रियाओं, पायलट प्रशिक्षण आवश्यकताओं और नियामक अनुपालन को सुव्यवस्थित करते हैं, जिससे दूरदराज के दुर्गम क्षेत्रों तक सीप्लेन सेवाओं तक पहुंचने का रास्ता साफ हो जाता है। वर्ष 2008 में स्थापित, समुद्री विमान परिचालन के लिए विनियामक ढांचे की समीक्षा लंबे समय से लंबित थी। डीजीसीए ने बताया कि संशोधित नियम, संबंधित नियामक ढांचे को सुव्यवस्थित और अद्यतन करने के लिए उनके कार्य समूह की सिफारिश के बाद जारी किए गए हैं। बयान के अनुसार संशोधित नियमों में समुद्री विमान परिचालन के लिए आसान प्रशिक्षण आवश्यकताओं और सरलीकृत अनुमोदन प्रक्रियाओं को शामिल किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 अक्टूबर, 2020 को अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट और

केवडिया के बीच सीप्लेन सेवा का उद्घाटन किया। लगभग तीन साल पहले उन्होंने 2017 में साबरमती रिवरफ्रंट से धरोज बांध तक सीप्लेन से यात्रा की थी और जलमार्गों का उपयोग करने की अपनी सरकार की मंशा की घोषणा की थी। इससे पहले, 2011 और 2017 के बीच, पवन हंस हेलीकॉप्टर्स लिमिटेड (पीएचएचएल) और मुंबई स्थित मैरीटाइम एनर्जी हेली एयर सर्विस प्राइवेट लिमिटेड (मेहैर) ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में सीप्लेन सेवाएं संचालित की थीं। मेहायर ने मुंबई से पवना डैम (लोनावला) और मुंबई से एंबी वैली के बीच सीप्लेन का संचालन भी किया था। हालांकि, खराब प्रतिक्रिया और उच्च टिकट कीमतों के कारण ये परिचालन बंद हो गए।

"नागरिक उड्डयन मंत्रालय (एमओसीए) ने सीप्लेन पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने, मार्गदर्शन प्रदान करने और डीजीसीए, राज्य सरकारों, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई), एयरलाइंस और विमान निर्माताओं सहित हितधारकों के साथ जुड़ने की पहल की थी। डीजीसीए के एक अधिकारी ने कहा, ष्इन सहयोगात्मक प्रयासों से यह सुनिश्चित हुआ है कि नए नियमन प्रमुख हितधारकों की चिंताओं को दूर करेंगे और इस विशिष्ट क्षेत्र में विकास का मार्ग प्रशस्त करेंगे। उन्होंने कहा कि संशोधित नियामक प्रावधानों के साथ, सीप्लेन ऑपरेटर सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं और अनुकूलित बुनियादी ढांचे की आवश्यकताओं का उपयोग कर सकते हैं जिससे देश भर में सीप्लेन सेवाओं का विस्तार हो सके और सबसे दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंच बनाई जा सके। ये समावेशी और सतत विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण है। सरलीकृत जल हवाई अड्डा आवश्यकताएं आवश्यक सुरक्षा मानकों को बनाए रखते हुए किफायती और कुशल संचालन में भी सहायक होंगी। पायलट आवश्यकताओं पर टिप्पणी करते हुए, एक दूसरे अधिकारी ने कहा, वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस (सीपीएल) वाले पायलट अब वैश्विक स्तर पर किसी भी आईसीएओ–मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संगठन में प्रशिक्षण लेकर सीप्लेन रेटेड पायलट के रूप में अर्हता प्राप्त कर सकते हैं।" उन्होंने निष्कर्ष देते हुए कहा, "इसके अतिरिक्त, सहायक भूमिकाओं के लिए नए प्रशिक्षण अवसरों से देश भर में सीप्लेन केंद्रों में रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी।"

सम्पादकीय.....

हादसों की हद

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जनपद में कंचनजंगा एक्सप्रेस को मालगाड़ी द्वारा पीछे से टक्कर मारे जाने से हुई क्षति बताती है कि बीते वर्ष ओडिशा में कोरोमंडल एक्सप्रेस के भीषण हादसे से हमने कोई सबक नहीं सीखा। कंचनजंगा एक्सप्रेस हादसे में मरने वालों की संख्या ग्यारह बतायी जा रही है और चालीस से अधिक यात्री घायल हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि बीते साल रेलवे इतिहास की बड़ी दुर्घटनाओं में शामिल कोरोमंडल एक्सप्रेस और दो अन्य ट्रेनों में हुई टक्कर में 290 से अधिक लोगों की जान चली गई थीं। उल्लेखनीय है कि कंचनजंगा ट्रेन हादसे में मरने वालों में मालगाड़ी के चालक व सहचालक भी शामिल हैं। हालांकि दुर्घटना का वास्तविक कारण जांच के बाद ही पता चल पाएगा, लेकिन बताया जा रहा है कि रानीपतरा रेलवे स्टेशन व छत्तर हाट जंक्शन के बीच स्वचालित सिग्नलिंग प्रणाली दुर्घटना से तीन घंटे पहले से ही खराब थी। हमेशा की तरह मृतकों के परिजनों को दस–दस लाख का मुआवजा देने की घोषणा हुई है। साथ ही दुर्घटना की वजह तलाशने और जवाबदेही तय करने की बात कही जा रही है। पहले उम्मीद जगी थी कि बालासोर त्रासदी से सबक लेकर रेल दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में कारगर कदम उठाए जाएंगे, जबकि जमीनी स्तर पर हालात बदलते नजर नहीं आ रहे हैं। रेलवे तंत्र में कोताही का नमूना इस साल फरवरी में देखने को मिला था जब कठुआ से दासुया (पंजाब) के बीच लगभग सत्तर किलोमीटर दूरी तक एक मालगाड़ी बिना चालक के चली गई थी। सौभाग्य की बात है कि इस ट्रैक पर किसी रेल के न आने से दुर्घटना टल गई थी। बहरहाल, कंचनजंगा एक्सप्रेस दुर्घटना के बाद राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप का सिलसिला तेज हो गया है। बढ़–चढ़कर बताया जा रहा है कि सत्ता व विपक्ष में से किसके कार्यकाल में ज्यादा रेल दुर्घटनाएं हुईं। बहरहाल, रेल दुर्घटनाएं रोकने के लिये बनायी गई टक्कर रोधी तकनीक के क्रियान्वयन को लेकर सवाल उठने लगे हैं। कहा जा रहा कि व्यस्त पूर्वोत्तर मार्ग पर यदि इसका क्रियान्वयन होता तो शायद इस दुर्घटना को टाला जा सकता था।सवाल यह है कि रेल मंत्रालय मानवीय भूल के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को टालने के लिए गंभीर पहल क्यों नहीं करता। क्यों रेल दुर्घटनाएं रोकना सत्ताधीशों की प्राथमिकताओं में शामिल नहीं होता? जिस ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली 'कवच' को चरणबद्ध तरीके से जल्दी से लागू किया जाना चाहिए था, उस पर कछुआ गति से काम क्यों हो रहा है? एक ओर देश में बुलेट ट्रेन और तेज गति से चलने वाली अन्य ट्रेनों की बात की जा रही है, वहीं सामान्य गति से चलने वाली ट्रेनों को भी दुर्घटनाओं से निरापद बनाने में हम विफल साबित हो रहे हैं। जरूरत इस बात की है कि देश में फास्ट ट्रेनों की चकाचौंध व ग्लैमर के बजाय सामान्य गति की ट्रेनों की सुरक्षा को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। वहीं विपक्ष का आरोप है कि रेलवे में रिक्त पड़े लाखों पदों को नहीं भरा जा रहा है, जिससे रेलवे बढ़ती आबादी के दबाव में सुरक्षित रेल सेवा उपलब्ध नहीं करा पा रहा है। आखिर हम इन रेल हादसों से सबक कब लेंगे? निस्संदेह, रेल यातायात को दुर्घटनाओं से निरापद बनाने के लिये बुनियादी ढांचे में सुधार व अधिक निवेश की जरूरत है। हम अतीत के हादसों से सबक लेकर परिचालन व्यवस्था को सुधारने का प्रयास करें। हादसों की जवाबदेही तय हो ताकि दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। वक्त की जरूरत है कि दुर्घटनाओं को टालने के लिये, जितना जल्दी हो सके अधिक दबाव वाले इलाकों में 'कवच' योजना को क्रियान्वित किया जाए। इसके अलावा पटरियों के रख–रखाव के लिये आवंटित फंड का उचित उपयोग किया जाए। साथ ही बुनियादी ढांचे में सुधार, दुर्घटना टालने को आधुनिक तकनीकों का उपयोग तथा नई चुनौतियों से मुकाबले के लिये रेलवे कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने की भी जरूरत है। यह भी कि रेलवे के आधुनिकीकरण के लिये वित्तीय संसाधन जुटाए जाएं ताकि यह न कहा जा सके कि असुरक्षित पटरियों पर लचर संचालन प्रणाली दुर्घटनाओं की वजह बन रही है। दुर्घटनाओं का सिलसिला तभी थमेगा जब यात्रियों की सुरक्षा रेल मंत्रालय व सरकार की प्राथमिकता बनेगी।

मणिपुर पर भाजपा का अजीब रवैया

एजेंसी

केन्द्र और राज्य के प्रशासनिक, पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों का बैठक में होना जरूरी था, क्योंकि सरकार के निर्णयों को जमीन पर उतारने का काम इन्हीं का होता है। लेकिन क्या मणिपुर की सत्ता राज्य सरकार नहीं बल्कि केंद्र सरकार संभाल रही है।

मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदायों के बीच हिंसक संघर्ष को खड़े हुए साल भर से अधिक का वक्त बीत गया है। लेकिन वहां शांति कायम होने की पुख्ता जमीन अब तक तैयार नहीं हो पाई है। अलबत्ता गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की, जिसमें मणिपुर के हालात पर समीक्षा की गई। जिसमें फैसला लिया गया कि गृह मंत्रालय मैतेई और कुकी समुदाय से बात करेगा। गृह मंत्री शाह ने राज्य के मुख्य सचिव विनीत जोशी को विस्थापितों के लिए उचित स्वास्थ्य–शिक्षा सुविधाएं और उनके पुनर्वास को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गृह मंत्रालय को ओर से जारी बयान में कहा गया कि जरूरत पढ़ने पर राज्य में केन्द्रीय बलों की तैनाती बढ़ाई जाएगी। राज्य में शांति और सौहार्द्र बहाल करने के लिए बलों को रणनीतिक रूप से तैनात किया जाना चाहिए। मणिपुर में हिंसा फैलाने वालों को खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। इस बैठक में अमित शाह के साथ केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला, खुफिया ब्यूरो प्रमुख तपन डेका, सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे, मणिपुर के सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह, मणिपुर के मुख्य सचिव विनीत जोशी, मणिपुर के डीजीपी राजीव सिंह और असम राइफल्स के डीजी प्रदीप चंद्रन नायर शामिल थे। लेकिन मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह का नाम इसमें नहीं था। केन्द्र और राज्य के प्रशासनिक, पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों का बैठक में होना जरूरी था, क्योंकि सरकार के निर्णयों को जमीन पर उतारने का काम इन्हीं का होता है। लेकिन क्या मणिपुर की सत्ता राज्य सरकार नहीं बल्कि केंद्र सरकार संभाल रही है। अगर ऐसा नहीं है तो फिर बीरेन सिंह के इस बैठक में शामिल न होने के क्या कारण हो सकते हैं। क्या राज्य की सुरक्षा व्यवस्था के मामले में उन्हें दूर रखकर केंद्र सरकार ने मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को यह संदेश दिया है कि उन पर अब भरोसा नहीं रहा। कारण जो भी हो, लेकिन केंद्र सरकार का यह रवैया लोकतांत्रिक नहीं है। मणिपुर और केंद्र दोनों जगह भाजपा ही सत्ता में है। भाजपा की जुबान में इसे डबल इंजन सरकार कहा जाता है। लेकिन दोनों जगह भाजपा के सत्ता में होने का यह अर्थ कतई नहीं है कि मणिपुर का शासन केंद्र से चले। अगर भाजपा को एन बीरेन सिंह की प्रशासनिक अक्षमता से शिकायत है, तो उन्हें पद से हटाना चाहिए या फिर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए। वैसे भी मणिपुर के मामले में केंद्र सरकार का रवैया समझ से परे ही रहा है। पिछले साल मई के शुरुआती दिनों में जब मणिपुर के हालात बिगड़ने शुरु हुए, प्रधानमंत्री मोदी तब भी वहां नहीं गए थे और अब जबकि उन्होंने फिर से प्रधानमंत्री का पद संभाल लिया है, उनकी प्राथमिकता में मणिपुर शायद अब भी नहीं है। जी–7 की बैठक में शामिल होने के लिए वे इटली तक हो आए, लेकिन मणिपुर जाने का उन्हें वक्त नहीं मिला है। मणिपुर पर अब भी अमित शाह बैठक कर रहे हैं। पिछले साल अमित शाह ने वहां का दौरा भी किया था, लेकिन हालात नहीं सुधरे और अब आलम ये है कि हाल ही में मुख्यमंत्री के काफिले पर हमले से लेकर उनके आवास के पास में आगजनी तक हो गई। फिर भी केंद्र सरकार मैतेई और कुकी समुदाय से चर्चा की बात ही कर रही है। पिछले एक साल में केंद्र सरकार ने दोनों पक्षों से बातचीत की ऐसी कितनी कोशिशें की हैं, और उनका क्या नतीजा निकला है, यह भी अमित शाह को बता देना चाहिए, ताकि जनता को यकीन हो कि मणिपुर को लेकर सरकार वाकई गंभीर है। हाल ही में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने मणिपुर के मामले में अपनी नाखुशी जाहिर करते हुए कहा था कि मणिपुर पिछले एक साल से शांति स्थापित होने की प्रतीक्षा कर रहा है। दस साल पहले मणिपुर में शांति थी। ऐसा लगा था कि वहां बंदूक संस्कृति खत्म हो गई है, लेकिन राज्य में अचानक हिंसा बढ़ गई है। मणिपुर की स्थिति पर प्राथमिकता के साथ विचार करना होगा। श्री भागवत के इस कथन के बाद ही अमित शाह ने यह उच्च स्तरीय बैठक की है, जिस पर कहा जा रहा है कि यह संघ के दबाव का असर है। इस आकलन में कितनी सच्चाई है, यह तो पता नहीं, लेकिन ऐसा है तब भी इसे आदर्श स्थिति नहीं कहा जा सकता। क्योंकि केंद्र और राज्य की सत्ता जनता ने भाजपा को सौंपी है, संघ को नहीं। इसलिए हालात संभालने की चिंता भाजपा की होनी चाहिए। मगर अब भाजपा के रवैये को देखकर चिंता बढ़ रही है। मणिपुर में मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति श्रेणी में शामिल करने की मांग के विरोध में पिछले साल कुकी और मैतेई समुदाय के बीच संघर्ष की शुरुआत हुई थी। चुराचांदपुर से शुरु हुई हिंसा धीरे–धीरे पूर्वी–पश्चिमी इंफाल, बिष्णुपुर, तेंगनुपाल और कांगपोकपी जिलों में फैलती गई और फिर पूरे राज्य को अपनी चपेट में ले लिया। अगर इस आग को शुरु में ही काबू कर लिया जाता तो एक सुंदर प्रदेश बर्बाद होने से बच जाता। मगर राज्य और केंद्र की भाजपा सरकारें न जाने किन कारणों से आग को फैलते हुए देखती रही। दो महिलाओं की नग्न परेड जैसी भयावह घटना से लेकर आगजनी और कत्ल की न जाने कितनी घटनाएं इस राज्य में हुईं। हजारों लोग अब भी घरों से बेदखल हैं। जिनेवा के इंटरनल डिस्प्लेसमेंट मॉनिटरिंग सेंटर की एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023 में दक्षिण एशिया में 69 हजार लोग विस्थापित हुए। इनमें से 97 प्रतिशत यानी 67 हजार लोग मणिपुर हिंसा के कारण विस्थापित हुए थे। इतने बुरे हालात के बावजूद केंद्र सरकार अब भी केवल बैठक करके मणिपुर को संभालना चाह रही है और इस प्रक्रिया में भी मुख्यमंत्री को अलग रखा गया है, और प्रधानमंत्री अब भी मणिपुर से दूर ही हैं।

विपरीत विचारों को सुनने का अभ्यास करना होगा सरकार को

डॉ. दीपक पाचपोर

सुप्रसिद्ध लेखिका अरुंधति रॉय पर एक 14 साल पुराने मामले को लेकर मुकदमा चलाने की अनुमति देकर दिल्ली के उप राज्यपाल ने साबित कर दिया है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भारत के लिये अब भी दूर की कौड़ी है। देश के संविधान ने चाहे लोगों को अपनी राय रखने की आजादी के मजबूत प्रावधान कर रखे हों लेकिन समाज इस बात का आदी नहीं है कि वह नये विचारों की ओर कान और ध्यान देय या किसी विषय पर नये दृष्टिकोण से विचार कर सके। वैसे समाज में विचारों के स्तर पर नवाचार लाना या उनमें ताजगी भरना सरकार का ही काम है। उनमें विचार बोने का काम चाहे सरकार का न हो लेकिन आजाद खयाली को प्रोत्साहन देना और उसे संरक्षित रखना लोकतांत्रिक समाज की ही जिम्मेदारी है। ये विचार प्रचलित मान्यताओं के खिलाफ हो सकते हैं या फिर परम्पराओं से हटकर भी, उनमें सांस्कृतिक हस्तक्षेप न करते हुए देश में एक वैचारिक प्रवाह को मुक्त बनाये रखने के लिये आवश्यक वातावरण बनाना उसी का काम है। अगर विचारधारा को कोई बाधित करता है तो उन अवरोधों को संवैधानिक प्रावधानों के माध्यम से हटाना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार का उत्तरदायित्व होता है। इसके बिना उस देश का 'लोकतंत्र की जननी' होने का दावा बेकार है। संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को इसलिये दुनिया भर में तवज्जो दी जाती है। अपने खिलाफ उठने वाली आवाज को सुनकर और उसे सम्मान देकर सरकारें अपना कद बढ़ाती हैं। दुर्भाग्य से भारत में नये विचार जन्म लेने के पहले ही मर रहे हैं। अरुंधति रॉय के सन्दर्भ में यह बात और पुख्ता हो जाती है। 9 से अधिक पुस्तकों की अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजी गयी लेखिका अरुंधति के खिलाफ यह मामला 27 नवम्बर, 2010 को उनके द्वारा दिल्ली के एलटीजी सभागार में दिये भाषण को लेकर दर्ज हुआ है। इसमें उन्होंने कश्मीर पर अपनी राय रखी थी। आजादी– द ओनली वे नामक इस कांफ्रेंस में उन्होंने कथित रूप से कश्मीर को भारत से अलग करने सम्बन्धी प्रचार किया था। इस कार्यक्रम में उनके साथ सैयद अली शाह गिलानी, एसएआर गिलानी, डॉ. शेख शौकत हुसैन एवं कवि करवर राव शामिल थे। दोनों गिलानी तो बरी हो गये, शेष के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। वैसे उनके खिलाफ कई धाराओं के अंतर्गत मामले चलाने की अनुमति मांगी गयी थी, पर मंजूरी केवल 153ए तथा 153वी के तहत ही मुकदमे दर्ज करने की दी गयी जो नस्ल, धर्म, जन्म स्थान, निवास, भाषा आदि के आधार पर वैमनस्यता बढ़ाने व सद्भाव के खिलाफ काम करने तथा राष्ट्रीय एकीकरण को नुकसान पहुंचाने से सम्बन्धित हैं। 14 वर्ष बाद मामला दर्ज करना यही बतलाता है कि नरेन्द्र मोदी सरकार अपने खिलाफ विचार रखने वालों की शिनाख्त जारी रखे हुई है और मौका मिलते ही उन्हें सलाखों के पीछे भेजने पर आमादा है। वैसे देखें तो मामला कांग्रेस सरकार के वक्त का है और इतने समय के बाद भी उनके भाषण का अब तक कोई प्रतिकूल असर समाज पर न पड़ना बतलाता है कि मोदी सरकार तिल का ताड़ बनाना चाहती है। अरुंधति ऐसी लेखिका नहीं हैं जो किसी कोने में बैठकर गल्प साहित्य लिखे और पुरस्कार लेती फिरें। समाज के प्रति उनकी संपृक्तता बेहद सराही जाती है। हर तरह के सामाजिक सरोकारों पर वे लेख लिखती हैं और मौका मिले तो भाषणों, साक्षात्कारों आदि में भी अपने विचार रखती हैं। उन्मुक्त विचारों के लिये जानी जाने वाली रॉय एक लोकप्रिय लेखिका हैं जो हमेशा देश व दुनिया के सर्वहारा के साथ खड़ी नजर आती हैं। उनके विचारों में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति गहरा आग्रह दिखलाई देता है। संविधान में निहीत स्वतंत्रता, समानता, बन्धुत्व के मूल भावों को उन्होंने न केवल संजोया है वरन उनकी प्रभावी अभिव्यक्ति उनके लेखन में हुई है। यहीं से मोदी सरकार से उनकी दुश्मनी शुरू होती है। वे मोदी सरकार की निरंकुश कार्यपद्धति की हमेशा से विरोधी रही हैं। राजनैतिक असहमतियों से भरे उनके लेखों के संग्रह भी प्रकाशित हो चुके हैं जिनमें अरुंधति ने मोदी सरकार की जमकर आलोचना की है। 2022 में प्रकाशित एक लेख में उन्होने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की तुलना यूएस कैपिटल हिल के दंगाइयों से की थी। ऐसे ही, सुप्रसिद्ध पत्रकार करण थापर को श्द वायरश् के लिये दिये एक इंटरव्यू में अरुंधति रॉय ने हिन्दू राष्ट्रवाद की सोच को विभाजनकारी बतलाते हुए कहा था कि भारत की जनता इसे कभी कामयाब नहीं होने देगी। उन्होंने इसी साक्षात्कार में भाजपा को फासीवादी करार दिया था। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई थी कि एक दिन देश इसका विरोध करेगा। उन्होंने कहा था कि वे भारतीयों पर भरोसा करती हैं और एक दिन देश इस अंधेरी खाई से बाहर निकल आयेगा। विभिन्न अवसरों पर अरुंधति ने कभी कश्मीर को भारत का हिस्सा मानने से इंकार कर दिया तो कभी गोवा की आजादी को गलत बताया तो कश्मीर की जनता पर भारतीय सेना के अत्याचारों की बात भी कही। सम्भव है कि कुछ मुद्दों को लेकर किसी की अरुंधति के विचारों से सहमति न भी हो परन्तु एक सभ्य समाज के भीतर इतनी सहनशीलता अवश्य होनी चाहिये कि वह उन विचारों पर मुक्त संवाद कर सके। पसंद न आने वाले विचारों को लेकर किसी पर मुकदमा कर देना या उन्हें जेलों में डाल देना किसी स्वस्थ समाज की निशानी नहीं कही जा सकती। पिछले कुछ समय से भारत में यह नजारा आम हो गया है। अपने हक मांगने वाले, सरकार की खामियां बतलाने वाले, लोकतंत्र की बातें करने वाले, मानवाधिकार कार्यकर्ता, लेखक, पत्रकार आदि थोक के भाव में जेलों में भेजे गये हैं। लम्बे–लम्बे समय तक सरकार के इशारों व दबाव में उन्हें जमानत नहीं मिलती। कई ऐसे लेखक–पत्रकार या मानवाधिकार कार्यकर्ता बीमारी के बाद भी जेलों से नहीं छोड़े जाते। ये सारे ही मामले बताते हैं कि इस सरकार में प्रतिरोध की आवाज को सुनने की शक्ति नहीं है और न ही उसे लोकतंत्र की बुनियादी शऊर व यह समझ है कि एक समाज का निर्माण विविध विचारों को मिलाकर होता है। भारत की आजादी के बाद बनी सरकारों ने इस बात को ख्याल में रखा था और सरकारें सहिष्णुता के मार्ग पर चलती थीं। प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को उनके असहमति के प्रति सम्मान के लिये जाना जाता था। प्रचण्ड लोकप्रियता के बाद भी उन पर साम्यवादियों, समाजवादियों तथा दक्षिणपंथियों द्वारा जोरदार हमले होते रहे परन्तु उन्होंने किसी को भी कुचलने की कोशिश नहीं की। उलटे, नेहरू संसद के भीतर लोगों को इस बात के लिये प्रोत्साहित करते थे कि वे शासकीय कामों की खामियां बतायें। यह तो सच है कि कोई भी व्यक्ति या संगठन अपनी आलोचना सुनना पसंद नहीं करता परन्तु लोकतंत्र का यह तकाजा है कि सरकारों को अपनी आलोचना सुनने की क्षमता विकसित करनी ही पड़ती है। यह भी सच है कि मोदी एवं भाजपा जिस परिवेश की उपज हैं, उसमें आलोचना तो दूर सवाल करने या नुक्ताचीनी की भी गुंजाईश नहीं होती। ऐसे में अगर उनकी सरकार में अपने खिलाफ कुछ भी सुनने का माद्दा नहीं है, तो इसमें कुछ भी आश्चर्य नहीं होना चाहिये। असली सवाल यह है कि इस मामले में जनता किस तरफ है? एक ओर सरकार है तो हर पल नागरिकों को कमजोर करने को उद्धत रहती है जबकि दूसरी तरफ अरुंधति जैसे लोग हैं जो मानवीय चेतना को जगाने का काम करते हैं।

नमो दैव्यै महादेव्यै शिवायै सतत नमः

नमः प्रकृत्यै भद्रायै नियताः प्रणता स्मताम् (दुर्गासप्तसती)

डॉ.खुशबू राठी रतलाम (म.प्र.)

मानव और प्रकृति का अटूट संबंध हैं। मानव ने जब नेत्र खोले तो स्वयं को प्रकृति की गोद में पाया । धर्म, दर्शन, साहित्य एवं कला सभी क्षेत्रों में प्रकृति का अग्रगण्य स्थान हैं। वास्तव में साहित्य तो प्रकृति से ही अभिप्रेरित है। प्रकृति रुपी आंगन में बैठकर ही साहित्यकार अपनी कृति को सजीव बनाते हैं, प्रकृति के सौन्दर्याभाव में काव्य भी निष्प्राण है। काव्य को सजीवता प्रकृति ही प्रदान करती है।

चाँद – सितारे, नक्षत्र, नदी, पहाड़, झरने, संध्या, बारिश आदि सभी प्रकृति ही हैं जो निरंतर साहित्यकारों एवं कवियों के हृदय को काव्य रचना के लिए प्रेरित करते रहते हैं। हर युग में तत्कालीन कवियों ने बड़ी सहजता के साथ प्रकृति का प्रचुर चित्रण किया हैं अपने मनोभावों को प्रकृति के विभिन्न रूपों में अभिव्यक्त किया है सुख–दुःख, हर्ष–विषाद की झलक प्रकृति में देखी हैं अतः अतिश्योक्ति नहीं है कि–काव्य प्रकृति से अभिप्रेरित है। सभ्यता और संस्कृति का पालन प्रकृति ने ही किया है। आध्यात्म में तो प्रकृति का विशेष महत्तव है वेद–पुराण गिरी कंदराओं में लिखे गये हैं। पवित्र तीर्थ नदी किनारे है काशी, मथुरा प्रयाग, उज्जैन, अयोध्या इस बात के प्रत्यक्ष उदा० प्रस्तुत करते हैं इन क्षेत्र में बहने वाली नदियों को माता माना जाता है जिनकी स्तुति परमात्मा स्वयं करते हैं। गंगा के जल की पवित्रता और शुद्धता पूरे विश्व में शोध व अनुसंधान का विषय है।पर्वत एवं वन न केवल ऋषि–मुनियों के आश्रय प्रदाता है वरन् परमात्मा के भी निवास है हिमालय पर शिव साक्षात् विराजित है एवं श्री कृष्ण गोवर्धन को धारण कर गिरधार कहलाए।वनस्पतियों का प्रयोग हमारी पूजन पद्धति में अनादिकाल से प्रचलन में हैं। वृक्षों में ईश्वरत्व का दर्शन कर उनके पूजन की आवश्यकता को विज्ञान ने भी स्वीकार किया है जिससे सिद्ध होता है कि– हमारा धर्म महज अंधविश्वास नहीं अपितु ष्सर्वे भवन्तु सुखिनरू ष के मानव कल्याण की विचारधारा से ओतप्रोत हैं।

किंतु बदलती प्रकृति, नित परिवर्तित होता मौसम, सर्दी के समय सर्दी न होना, गर्मी के समय अधिक गर्मी होना, वर्षाकाल का आगमन आगे पीछे होना,ओजोन परत में छिद्र होना, मानव स्वास्थ्य में गिरावट आना, जल–प्रदूषण, वायु– प्रदूषण, रासायनिक–प्रदूषण तथा अन्य प्रदूषणों का उत्पन्न होना और फिर सुनामी, भूकंप व आंधियों का आना, ओलावृष्टि,बाढ़ और कोरोना जैसी महामारी सोचने पर विवश करते हैं ऐसा क्यों हो रहा है जब इस पर विचार होता है तो उत्तर आता है कि– समय बदल गया है या यह भी कह सकते हैं कि– परिवर्तन प्रकृति का नियम हैं परंतु प्रकृति में ऐसा बदलाव क्यों आया है जबकि प्रकृति सभी का कल्याण करती हैं फिर ये विनाश क्यों ? क्या इसे रोकने का कोई उपाय है ? अथवा नहीं। इन सभी प्रश्नों पर चिंतन करने से इस तथ्य पर पहुंचते हैं कि – प्रकृति को यदि भोग्या मानेगें तो ये मानव को रोगों का घर बनाकर श्रृष्टि में हाहाकार मचा देगी वहीं यदि मातृत्व भाव से यदि इसे आपने पोषित किया तो ये मानव को देवत्व प्रदान कर देगी अतः हमें कृतज्ञ भाव से प्रकृति का दोहन करना चाहिए शोषण नहीं क्योंकि असीमित स्वार्थ से किया गया शोषण विकृति उत्पन्न करता है जो अंततः प्रलयकारी होता है। पंच तत्व से निर्मित संसार इनके (मिट्टी, अग्नि, जल, वायु एवं आकाश) निर्मल एवं पवित्र रहने पर ही प्राणीमात्र के लिए फलदायी व सुखदायी होता है। प्रकृति संतुलित रहे तो कृषि, पशुपालन और अन्य कार्यों में कभी बाधा नहीं आती है तथा समाज में धन–धान्य की कमी भी नहीं होगी जैसा रामराज्य में तुलसीदासजी द्वारा वर्णित किया है – ष्अल्पमृत्यु नहिं कवनिउ पीरा । सब सुंदर सब बिरुज सरीरा।ष अतःप्रकृति के प्रति मातृत्व का भाव उत्पन्न कर उसके संरक्षण हेतु प्रेरित करना है ताकि संसार में सुखमय हो सके क्योंकि जब तक धरती पर पर्वत और हरे–भरे वन रहेगे तब तक हम और हमारी भावी पीढ़ियाँ जीवित और खुशहाल होगी।

ष्यावत् भूमंडल धते सशैलवन काननम् ।तावत्तिष्ठति मे दिन्या संतति पुत्रपौत्रकी

प्रकृति को वरदान स्वरूप वृक्ष वनस्पति प्राप्त हुए है जिनका परोपकारी जीवन विकृत क्षति को पूर्ति में बदल देता है, वर्तमान काल, स्तिथि परिवेश की दृष्टि से मानव के लिए पुण्यमयी उत्तम कृति वृक्षारोपण है । इसीलिए वृक्ष की महिमा में नीति श्लोक भी भारतीय सत्य सनातन संस्कृति की विशुद्ध धार्मिक आध्यात्मिक वैज्ञानिक विचारधारा और कृतित्व को प्रकट करता है जो की शाश्वत है।

दशकूपसमा वापी दसवापीसमो ह्रदः । दशहदसमः पुत्रो दशपुत्र समो द्रुमः ।।

दस कूप के बराबर एक बावड़ी है, दस बाबडी के बराबर एक सरोवर है दस सरोवर के समान एक पुत्र है दस पुत्रो के समान एक वृक्ष का महत्व है, जीवन क्योंकि जल के विना नही, संतति वृद्धि पुत्र के बिना नहीं और इन दोनो को जीवन शक्ति देने वाले वनस्पति वृक्ष ही है।

जैसे किसी रोगी (पर्यावरण) को रोग (प्रदूषण) औषधि और पत्थ्यापथ का वैद्य परामर्श देता है वैसे ही आज वर्तमान समय में अनादिकाल से नित्य प्रवाहित हो रही सत्य सनातन संस्कृति की मर्यादित जीवनशैली जिसमे प्रकृति और उनके उपांगो की आध्यात्मिक धार्मिक तार्किक पूजा पद्धति पथ्यापथ है और औषधि के रूप में वृक्षारोपण (सभी वृक्ष) है।

मानव प्रकृति की अनुपम धरोहर है जिसके कृतित्व में संतुलन, साम्यावस्था परिलक्षित हो।

बालिका वधू की आनंदी के साथ बॉडीगार्ड ने की गंदी हरकत, बोली-उसने मुझे पीछे से छुआ...

> अविका ने बताया कि जब वह कजाकिस्तान में एक कार्यक्रम में व स्टेज की तरफ जा रही थीं तो एक बॉडीगार्ड ने उन्हें गलत तरीके से छुआ था। उस समय उन्हें ऐसा लगा जैसे किसी ने उन्हें पीछे से छुआ हो। जब उन्होंने पीछे मुड़कर देखा तो पाया कि वह उनका बॉडीगार्ड था।

टीवी इंडस्ट्री की 'बालिका वधू' यानी कि अविका गौर को भला कौन भूल सकता है। छोटी सी उम्र में घर– घर पहचान बना चुकी एक्ट्रेस का किरदार आज भी दर्शकों के बीच जीवंत है। हालांकि अविका को इस मुकाम तक पहुंचने में कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ा। हाल ही में उन्होंने अपने से जुड़ा एक ऐसा वाकया बताया हे, जिसे सुन हर कोई हैरान रह गया है। चलिए बताते हैं आपको क्या है मामला। अविका ने इंडस्ट्री में अपने अच्छे और बुरे अनुभवों को लेकर कई बातें की हैं। हाउटरफ्लाई में द मेल फेमिनिस्ट सेगमेंट के साथ एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि उनका यौन शोषण हुआ और यह सब करने वाला और कोई नहीं उनका बॉडीगार्ड था।"भारत में ऐसा होता है, लेकिन कजाकिस्तान में मेरे साथ ऐसा बहुत बार हुआ है। आपके साथ हमेशा बॉडीगार्ड होते हैं, और वह खुद को स्मार्ट दिखना चाहता है। अविका ने बताया कि जब वह कजाकिस्तान में एक कार्यक्रम में व स्टेज की तरफ जा रही थीं तो एक बॉडीगार्ड ने उन्हें गलत तरीके से छुआ था। उस समय उन्हें ऐसा लगा जैसे किसी ने उन्हें पीछे से छुआ हो। जब उन्होंने पीछे मुड़कर देखा तो पाया कि वह उनका बॉडीगार्ड था। उन्होंने बताया कि ऐसा सिर्फ एक बार नहीं हुआ था। ऐसा दोबारा होने वाला था जब उन्होंने अपने बॉडीगार्ड का हाथ पकड़ लिया था। अविका ने आगे बताया कि–यह शर्मनाक था... मैंने बस उसकी तरफ देखा और उसने बस माफी मांग ली। वो अंग्रेजी या हिंदी नहीं बोलना जानते थे, इसीलिए मैंने उसे जाने दिया। शायद मैं इसके अलावा कुछ कर भी नहीं सकती थी। वह कहती हैं कि अगर मुझमें पलटकर मारने की हिम्मत होती तो अब तक तो न जाने कितनो को मार चुकी होगी। इस दौरान अविका ने यह भी बताया कि उनकी मां ने ऐसी तमाम चीजों को लेकर उन्हें बचपन में ही सिखा दिया था। अविका गौर ने महज 10 साल की उम्र में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। उनका पहला डेब्यू सीरियल था– श्श्श्श्श... कोई है (2007)। बालिका वधू बनकर घर–घर में छा गई थी। आज भी लोग उन्हें आनंदी के नाम से ही जानते है। बाद में उन्होंने ससुराल सिमर का में रोली बनकर टीवी पर राज किया। वह लाडो और खतरों के खिलाड़ी जैसे शोज में भी नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा अविका फिल्मों में भी किस्मत अजमा चुकी है।

गीतांजलि मिश्रा ने शेयर किए मानसून स्किन केयर टिप्स, बताए नेचुरल मास्क के फायदे

गर्मियां में स्किन को तरोताजा और हेल्दी बनाए रखना किसी चुनौती से कम नहीं। ऐसे में एक्ट्रेस गीतांजलि मिश्रा ने अपने फैंस के साथ मानसून स्किन केयर टिप्स शेयर किए। उन्होंने खुलासा किया कि वह अपने चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी, नीम और लौंग से बना नेचुरल मास्क लगाती हैं। साथ ही पपीता जैसे फलों का भी इस्तेमाल करती हैं। सिटकॉम हप्पू की उलटन पलटन में गीतांजलि राजेश का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने कहा, मैं गर्मियों में अपना चेहरा ज्यादा धोती हूं। मेरी मां ने मुझे एक उपाय दिया था, जो मुल्तानी मिट्टी, नीम और लौंग से बना नेचुरल मास्क है। इसे बनाने के लिए, मैं एक साफ कटोरे में दो चम्मच मुल्तानी मिट्टी, एक चम्मच नीम पाउडर और आधा चम्मच लौंग पाउडर मिलाती हूं। फिर, इसमें गुलाब जल मिलाती हूं ताकि एक स्मूथ पेस्ट बन जाए। उन्होंने आगे कहा, गुलाब जल स्किन को टोन करने में मदद करता है। अपना चेहरा साफ करने और उसे थपथपाकर सुखाने के बाद, मैं अपने चेहरे और गर्दन पर मास्क लगाती हूं, आंखों के एरिया को छोड़कर, और इसे पूरी तरह सूखने तक 15–20 मिनट तक लगा रहने देती हूं। फिर मैं इसे गुनगुने पानी से धोती हूं, धीरे–धीरे एक्सफोलिएट करने के लिए सर्कुलर मोशन में मसाज करती हूं। मैं अपनी स्किन को हाइड्रेट रखने के लिए एलोवेरा जेल या बादाम के तेल जैसे लाइट, नेचुरल मॉइस्चराइजर लगाती हूं। गीतांजलि ने कहा, इस मास्क में मुल्तानी मिट्टी के ऑयल–अब्जॉर्ब और गंदगी साफ करने के गुण, नीम के एंटीबैक्टीरियल गुण और लौंग की बैक्टीरिया से लड़ने की शक्ति शामिल है। इसे हफ्ते में एक या दो बार लगाने पर यह पूरे मानसून के मौसम में क्लीयर, फ्रेश और ग्लोइंग स्किन बनाए रखने में मदद करता है। एक्ट्रेस पपीता जैसे फलों का भी उपयोग करती हैं, जिसमें पपेन जैसे एंजाइम होते हैं जो डेड स्किन सेल्स को हटाने और पिगमेंटेशन को कम करने में मदद करते हैं। गीतांजलि ने कहा, मैं पपीते को एक चम्मच दही के साथ मिलाकर मास्क बनाती हूं और इसे अपने चेहरे पर 15–20 मिनट तक लगाती हूं और फिर धो लेती हूं। ये फ्रूट–बेस्ड रेमेडी स्किन को पोषण देने का काम करते हैं। साथ ही जरूरी विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट भी प्रदान करते हैं।हप्पू की उलटन पलटन एंड टीवी पर प्रसारित होता है।

ऑडियो सीरीज इंस्टा एम्पायर के लिए साथ आए निशांत मलकानी, नायरा बनर्जी

एक–दूसरे को डेट करने की अफवाहों का सामना करने के बाद एक्टर निशांत मलकानी और नायरा एम बनर्जी अब ऑडियो सीरीज इंस्टा एम्पायर के लिए साथ आए हैं। इंस्टा एम्पायर एक अमीर परिवार के गरीब दामाद नक्श (निशांत द्वारा अभिनीत) की कहानी है। अपनी गरीबी के कारण ससुराल वालों से अपमान और दुर्व्यवहार सहने के बावजूद अपनी पत्नी अनिका (न्यारा द्वारा अभिनीत) से बहुत प्यार करता है। जब अनिका उसे छोड़कर एक अमीर आदमी के पास जाने का फैसला करती है, तो उनके रिश्ते में और तनाव आ जाता है। शो के बारे में बात करते हुए निशांत ने कहा, "इंस्टा एम्पायर' में नक्श का किरदार निभाना मेरे लिए भावनाओं के एक रोलर कोस्टर की सवारी करना था। महत्वाकांक्षा की ऊंचाइयों से लेकर विश्वासघात की गहराई तक, यह एक ऐसी यात्रा थी जिसने मुझे एक अभिनेता के रूप में चुनौती दी। शूटिंग का अनुभव अविश्वसनीय रहा है,

और एक टीम के रूप में हमने इस कहानी को जीवंत करने के लिए कड़ी मेहनत की है। अनिका का किरदार निभाने वाली नायरा ने कहा, इंस्टा एम्पायर में अनिका का किरदार निभाना फायदेमंद रहा। इसमें वफादारी और प्यार के बीच फंसे एक किरदार की जटिलताओं को दिखाया गया है। प्रोमो पर काम करना रचनात्मक रूप से संतुष्टिदायक रहा है। उन्होंने कहा, यह देखना दिलचस्प है कि पॉकेट एफएम जैसे प्लेटफॉर्म किस तरह कहानी कहने की सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। यह दर्शकों को पारंपरिक माध्यमों से परे इमर्सिव अनुभव प्रदान कर रहे हैं और यह साथ ही लोगों को सहजता से मल्टीटास्क करने में सक्षम बनाता है। एक कलाकार के रूप में मेरे लिए अभिव्यक्ति के इन विविध तरीकों को अपनाना वास्तव में ताजगी देने वाला है। सीरीज का निर्माण पॉकेट एफएम द्वारा किया गया है।

अलका याग्निक करे सुनाई देने की समस्या आ रही

वैसे तो बॉलीवुड में कई सिंगर्स आए और गए, पर अलका याग्निक की बात ही निराली है। 90श् की श्क्वीन ऑफ प्लेबैक सिंगर अलका याग्निक इन समय बेहद मुश्किल दौर से गुजर रही है। वह एक वायरल अटैक का शिकार हो गई हैं जिसके बाद उन्हें सुनाई देने की समस्या आ रही है। यह खबर सामने आने के बाद लोग उनके लिए दुआएं मांग रहे हैं। सालों से अपनी आवाज का जादू चलाने वाली सिंगर के साथ यह होगा कोई सोच भी नहीं सकता था। वह देश की सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिकाओं में गिनी जाती है। अब उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर अपनी तबीयत के बारे में बताया है। उन्होंने एक लंबा– चौड़ा नोट शेयर कर बताया कि उन्हें दुर्लभ बीमारी हो गई है, जिसके कारण उन्हें सुनाई देना बंद हो गया है। दिग्गज गायिका ने अपने पोस्ट में लिखा–मेरे सभी फैन्स, दोस्तों, फॉलोअर्स और शुभचिंतकों. कुछ हफ्ते पहले, जब मैं एक फ्लाइट से बाहर निकल रही थी तो मुझे अचानक लगा कि मैं कुछ सुन नहीं पा रही हूं। थोड़ी हिम्मत जुटाने के बाद, अब मैं अपने दोस्तों और शुभचिंतकों के लिए, इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ना चाहती हूं, जो मुझसे पूछ रहे हैं कि मैं कहां गायब हूं। अलका आगे लिखती हैं– डॉक्टर्स ने उन्हें बताया कि रेयर सेंसरी नर्व हियरिंग लॉस डायग्नोज हो गया है जो जो एक वायरल अटैक की वजह से हुआ है। वह कहती हैं– इस अचानक से हुए बड़े सेटबैक ने मुझे शॉक कर दिया है. मैं उसे स्वीकार करने की कोशिश कर रही हूं, इस बीच अप मुझे अपनी दुआओं में याद रखिएगा.श । आखिर में उन्होंने लिखा– प्रशंसकों और युवा सहकर्मियों को मैं कहना चाहूंगी कि बहुत तेज आवाज में संगीत सुनने और हेडफोन सुनने से बचें। सिंगर ने अपने पेशेवर जीवन से जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में और ज्यादा जानकारी साझा करने की इच्छा भी व्यक्त की। उनके इस पोस्ट पर सेलेब्स से लेकर फैंस अपनी दुआएं भेज रहे हैं। एक्ट्रेस पूनम ढिल्लों ने लिखा– आपके लिए बहुत सारा प्यार और ढेर सारी दुआएं और आशीर्वाद। आपको जल्द ही स्वस्थ होने और अपने आपको सुंदर और स्वस्थ बनाने के लिए प्यार की सारी शक्ति मिलेगी। सोनू निगम ने भी उनके जल्द ठीक होने की दुआ की है।

बहन हो तो कंगना जैसी... छोटे भाई को शादी में एक्ट्रेस ने गिफ्ट दिया चंडीगढ़ में आलिशान घर

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत अब पॉलिटिक्स में भी कदम रख चुकी हैं। भले ही कंगना ने अपने परिवार के खिलाव जाकर फिल्मों में कदम रखा था पर आज यही परिवार उन पर बेहद गर्व करता है। कंगना भी अपने भाई–बहनों से बेहद प्यार करती हैं, जिसका ताजा उदाहरण हाल ही में देखने को मिला। उन्होंने अपने भाई की सगाई पर उन्हें ऐसा तोहफ दिया जिसे सुन हर कोई कह रहा है कि बहन हो तो ऐसी।लोकसभा चुनाव में हिमाचल प्रदेश में मंडी से सीट जीतने के बाद कंगना के चचेरे भाई वरुण रनौत शादी के बंधन में बंधे। ऐसे में एक्ट्रेस ने कपल को चंडीगढ़ में एक खूबसूरत घर गिफ्ट में दिया, जिसे उन्होंने खुद डिजाइन करवाया है। वरुण ने इस आलिशान घर की तस्वीरें शेयर कर अपनी बहन को शुक्रिया अदा किया है।वरुण ने अपने पोस्ट में लिखा–अनमोल उपहार के लिए धन्यवाद दीदी /चंडीगढ़ में अब घर है। इसके बाद कंगना ने नए खरीदे गए घर में गृह प्रवेश की कई फोटोज दोबारा पोस्ट की, जिसमें घर के दरवाजे को देखा जा सकता है, जो काफी सजा हुआ नजर आ रहा है। इससे पहले शादी की तस्वीरें भी सामने आई थी जिसमें कंगना अपना परिवार के साथ खूब मस्ती करती नजर आई। तस्वीरें शेयर करते हुए वरुण ने अपनी बहन के लिए लिखा था– अपनों के साथ नए घर में नई शुरुआत। आपके आने से घर की और फंक्शन की शान बढ़ गई। इतना सुंदर घर, आपके प्यार और आशीर्वाद के लिए बहुत धन्यवाद, वरुण और सीमा का प्यार। वहीं कंगना ने अपनी बहन रंगोली के इंस्टा का भी स्क्रीनशॉट शेयर किया है जिस पर लिखा था–गुरुनानक देव जी ने कहा था कि हमारे पास जो भी थोड़ा–बहुत है, हमें उसे शेयर करना चाहिए, उन्होंने कहा था कि हमें हमेशा लगता है कि हमारे पास पर्याप्त नहीं है फिर भी हमें साझा करना चाहिए और मुझे लगता है कि इससे बड़ी कोई खुशी नहीं है... अपना सब कुछ हमेशा मेरे साथ शेयर करने के लिए धन्यवाद।

यूं ही नहीं कहते आम को फलों का राजा, आंखों से लेकर कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा भी करता है कम

आम खाने में बहुत ही टेस्टी लगता है, बच्चे से लेकर बूढ़े तक सभी इसे खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आम स्वाद के साथ सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। बता दें कि दुनियाभर में लगभग 1400 किस्में हैं, लेकिन हमारे देश में उगायी जाने वाली दशहरी, लंगड़ा, फजली, केशर, सिंदूरी आदि आम की मुख्य किस्में हैं। आम में पोटैशियम, प्रोटीन, मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो शरीर को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। हम आपको आज इससे मिलने वाले कुछ फायदों के बारे में बताएंगे जिसे जान आप बेशक हैरान होंगे –

आंखों के लिए फायदेमंद

आम में ल्यूटिन, जेक्सैन्थिन और विटामिन ए होते हैं, ये सभी तत्व आंखों को स्वस्थ रखने में सहायता करते हैं। ल्यूटिन और जेक्सैन्थिन आपकी आंखों को धूप से बचा सकते हैं, जबकि विटामिन ए को आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए अच्छा माना जाता है।

कैंसर का जोखिम

आम में मौजूद पॉलीफेनोल्स ऑक्सीडेटिव तनाव से लड़ने में मदद करते हैं जो कोलन, प्रोस्टेट, बैस्ट औप हड्डी के कैंसर सहित कई स्वास्थ संबंधी समस्याओं से जुड़ा हुआ है।

इम्यून सिस्टम को करता है मजबूत

आम विटामिन सी और विटामिन ए से भरपूर होता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करने के महत्वपूर्ण माने जाते हैं, जिससे आप कई तरह के संक्रमणऔर अन्य बीमारियों से बच सकते हैं।

दिल की सेहत के लिए

आम में मैग्नीशियम, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट गुण मौजूद होते हैं। ये तत्व दिल को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। आम के सेवन से आप दिल से जुड़ी बीमारियों से बच सकते हैं।

पाचन तंत्र को रखे दुरुस्त

आम में फाइबर पाया जाता है, जो पाचन को बेहतर बनाता है। इसमें मौजूद एंजाइम पाचन शक्ति को बढ़ाते हैं। अगर आप नियमित रूप से आम खाते हैं, तो पाचन बेहतर हो सकता है।

कमजोर बालों से हो गई हैं परेशान तो अपनाएं ये हेयर केयर रूटीन, नहीं टूटेगा एक भी बाल

हर महिला अपने बालों का ध्यान काफी ध्यान रखती हैं, क्योंकि हर किसी को लंबे और घने बालों का शौक होता है। लेकिन बाल टूटने की समस्या हर महिला के साथ होती है। इसके कई सारे कारण होते हैं। क्योंकि आजकल की बिजी लाइफस्टाइल की वजह से बालों की अच्छे से केयर नहीं हो पाती है। जिसके कारण बाल टूटने लगते हैं। हालांकि इस समस्या को कम करने के लिए महिलाएं कई नुस्खे अपनाती हैं। वहीं कई महंगे प्रोडक्ट का भी इस्तेमाल करती हैं। लेकिन कई बार इन प्रोडक्ट्स से फायदा नहीं मिलता है या इस्तेमाल बंद करने के बाद दोबारा समस्या शुरू हो जाती है। इस समस्या से निजात पाने के लिए हम आपके साथ कुछ टिप्स शेयर करने जा रहे हैं। ऐसे में अगर आप रात को सोने से पहले ये टिप्स फॉलो करती हैं, तो बालों के टूटने की समस्या कम हो सकती है।

रात को न धोएं बाल

कई महिलाएं रात के समय बालों को धोती हैं, लेकिन ऐसा करना गलत है। जब आप रात के समय बालों को धोती हैं, तो बाल गीले बने रहते हैं। वहीं गीले बालों में सोने के कारण बाल कमजोर हो जाते हैं और इनके टूटने की समस्या पैदा होने लगती है। यदि आप रात में हेयर वॉश के बाद बालों को सुखाने के लिए हेयर ड्रायर की मदद लेती हैं। तो इससे भी आपके बाल कमजोर होते हैं और बालों के टूटने की समस्या होने लगती है। इसलिए रात में हेयर वॉश को इग्नोर करना चाहिए।

रात में न बांधे बाल

बहुत सारी महिलाएं रात में बालों को बांधकर सोती हैं। लेकिन रात में बालों को खोलकर सोना चाहिए। क्योंकि अगर आप रात में बालों को बांधकर सोती हैं, तो इससे बालों में खिंचाव पैदा होता है और बाल कमजोर होने लगते हैं। वहीं बालों के टूटने की समस्या शुरू हो सकती है। बालों को बांधने से यह रात में मुड़ते हैं, तो भी बाल टूटने लगते हैं। इसलिए जरूरी है कि रात को सोने के दौरान बालों को न बांधे। अगर आप बाल खुले करके नहीं सो सकती हैं, तो एकदम ढीली चोटी करनी चाहिए।

नारियल पानी भी सेहत को पहुंचा सकता है नुकसान, जानिए कैसे

नारियल पानी एक बहुत ही हेल्दी और नेचुरल ड्रिंक है। इसे पीना लगभग सभी को बेहद पसंद होता है। लेकिन क्या जानते हैं कि नारियल पानी भी नुकसान पहुंचा सकता है। आप भी सोच रहे होंगे कि भला नारियल पानी पीने से सेहत को क्या नुकसान हो सकता है? तो हम आपको बता दें कि आप डाइट जिस तरीके से लेते हो ये भी बहुत महत्वपूर्ण है। इस तरीके में ही फायदा या नुकसान छुपा होता है।

ऐसे ना पिएं नारियल पानी

दवाओं के साथ न पिएं नारियल पानी

नारियल पानी में पोटेशियम की मात्रा बहुत ही ज्यादा होती है। कुछ दवाओं से टॉयलेट में दिक्कत हो सकती है और एसीई अवरोधकों के साथ परस्पर क्रिया कर सकता है। अगर आप दवा ले रहे हैं तो नारियल पानी के सेवन से परहेज करें।

स्टोर किया हुआ नारियल पानी

कई बार लोग नारियल पानी पैक करना लेते हैं और फ्रिज में स्टोर करते हैं। वहीं बाजार में तो आजकल बॉटल में इतंदक वाले नारियल पानी भी बिकते हैं, लेकिन ये सेहत के लिए हानिकारक होते हैं। इसमें चीनी की मात्रा भी ज्यादा होती है, जिससे ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है। इसलिए या तो ताजा नारियल पानी पीनी की कोशिश करें, लेकिन अगर पैकेड नारियल पानी ही ले रहे हैं तो पैकिंग में शुगर लेवल पढ़कर ही खरीदें। ऐसी नारियल पानी वाली बॉटल का चयन करें जिसमें चीनी न डाली गई हो।

वहीं एक रिसर्च की मानें तो ज्यादा नारियल पानी पीने से टॉयलेट में पोटेशियम की मात्रा बढ़ सकती है और आपकी जान पर भी बन आती है। आइए आपको बताते हैं ज्यादा नारियल पानी पीने सेहत के लिए नुकसानदायक क्यों है?

ज्यादा नारियल पानी पीना है नुकसानदायक

नारियल पानी एक नेचुरल इलेस्ट्रोलाइट से भरपूर ड्रिंक है, जिसमें कैलोरी और चीनी की मात्रा कम होती है। वहीं इसमें पोटेशियम, मैग्नीशियम और कैल्शियम और आयरन होता है। नारियल पानी खुद को हाइड्रेट करने और तरोताजा महसूस करने का बेस्ट तरीका है। नारियल पानी आपके हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। हालांकि किसी भी चीज को हद से ज्यादा पिया जाए तो वो सेहत के लिए नुकसानदायक होता है। ये शरीर में एलर्जी पैदा करता है।

एलर्जी का कारण बन सकता है नारियल पानी

हालांकि ऐसा कम ही देखने को मिलता है पर, कुछ व्यक्तियों को नारियल पानी से एलर्जी हो सकती है, जिससे खुजली, पित्ती या सूजन जैसे लक्षण हो सकते हैं। यदि आपको एलर्जी का संदेह है, तो तुरंत हेल्थ एक्सपर्ट्स से सलाह लें।

टैनिंग की समस्या से निजात पाने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे, त्वचा में आएगा निखार

आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको अपनाने से आप सन टैनिंग की समस्या से राहत पा सकती हैं। इन नुस्खों को अपनाने से खोई हुई रंगत भी लौट सकती हैं।

गर्मियों के मौसम में सिर्फ हमें अपनी सेहत का ही नहीं बल्कि बालों से लेकर स्किन तक का खास ख्याल रखना पड़ता है। वहीं बात जब स्किन की आती है, तो इस मौसम में टैनिंग की समस्या आम मानी जाती है। टैनिंग की समस्या से बचने के लिए हम एसपीएफ वाली सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इन सनस्क्रीन की मदद से आप न्ट। और न्टठ जैसी हानिकारक किरणों से तो बच जाते हैं, लेकिन फिर भी हमारी सेंसिटिव त्वचा टैनिंग का शिकार हो जाती है। टैनिंग की समस्या से बचने के लिए गर्मियों में हम सभी हाफ स्लीव और बैकलेस कपड़े नहीं पहन पाते हैं। सूरज की किरणों से काली हुई स्किन को ठीक होने में समय लगता है। ऐसे में अगर आप भी टैनिंग की समस्या से जल्द से जल्द राहत पाना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको अपनाने से आप सन टैनिंग की समस्या से राहत पा सकती हैं। इन नुस्खों को अपनाने से खोई हुई रंगत भी लौट सकती हैं।

बादाम है फायदेमंद

बादाम में एमोलिएंट्स और फैटी एसिड भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जो त्वचा को हाइड्रेट करने और पोषण देने में सहायता करता है। धूप से झुलसी स्किन पर बादाम तेल अप्लाई करने से नमी आती है।

सबसे पहले एक कटोरी में 1 चम्मच बादाम पाउडर और 1 चम्मच शहद डालकर मिक्स करें।

फिर इस मास्क को अपने फेस और गर्दन पर 15–20 मिनट के लिए अप्लाई करें और सूखने के बाद गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

यह नुस्खा टैनिंग की समस्या को कम करेगा। आप चाहें तो सप्ताह में दो से तीन बार इस फेसपैक को लगा सकती हैं।

छाछ से बनें ओट्स

ओट्स हमारी सेहत के लिए फायदेमंद होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह टैन स्किन के लिए भी लाभकारी होता है। यह हमारी त्वचा को एक्सफोलिएट करने के साथ–साथ डेड सेल्स हटाने में सहायता करता है। वहीं छाछ के इस्तेमाल से स्किन कोमल और मुलायम होती है। ऐसे में इसका इस्तेमाल करना और बनाना बेहद आसान है।

एक बाउल में 1 बड़ा चम्मच ओट्स और 2 बड़े चम्मच छाछ मिला लें।

फिर इस पेस्ट को गर्दन, फेस, हाथ और पैरों में मालिश करते हुए अप्लाई करें। अब इसको 20 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर नॉर्मल पानी से धो लें।

अगर आप सप्ताह में दो बार इस पैक को लगाती हैं तो आपको टैन स्किन से छुटकारा मिल जाएगा।

बादाम तेल

इसके साथ ही बादाम का तेल भी सन टैन को दूर करने में फायदेमंद होता है। बादाम तेल से मसाज करना भी लाभकारी होता है। टैनिंग की समस्या को हटाने के लिए बादाम तेल को हाथों पर अच्छे से रगड़ें और फिर स्किन पर मसाज करें। इसको रात भर के लिए लगा रहने दें। आप इसको तब तक लगा सकते हैं, जब तक आपकी त्वचा पहले की तरह ग्लो न करने लगे और टैनिंग की समस्या न खत्म हो जाए।

मसूर दाल

बता दें कि मसूर की दाल में एक्सफोलिएटिंग गुण पाया जाता है। वहीं टमाटर में एंटीऑक्सीडेंट गुण होने के साथ एसिड नेचर होता है। जो आपकी त्वचा में निखार लाने का काम करता है। वहीं एलोवेरा हमारी स्किन को मॉइस्चराइज करने के साथ ठंडक पहुंचाता है।

मसूर दाल को रात में पानी में भिगो दें और फिर इसको ब्लेंड कर लें। अब कटोरी में टमाटर का रस निकालकर दाल के पेस्ट में मिक्स करें। अब इस पेस्ट को अपने फेस और गर्दन पर 20–30 मिनट के लिए अप्लाई करें।

वहीं पेस्ट सूखने के बाद हल्के गुनगुने पानी से चेहरा साफ कर लें।

शारीरिक और मानसिक तनाव से राहत पाने के लिए करें शशांकासन का अभ्यास

शशांकासन, जिसे खरगोश मुद्रा के नाम से भी जाना जाता है, एक आरामदायक आगे की ओर झुकने वाला योग आसन है। श्शशांकासनश नाम संस्कृत के शब्द शशांक जिसका अर्थ है चंद्रमा या खरगोश और आसन जिसका अर्थ है मुद्रा से लिया गया है। यह आसन अपने शांत करने वाले प्रभावों के लिए जाना जाता है, जो आराम की मुद्रा में लेटे हुए खरगोश जैसा दिखता है।

शशांकासन कैसे करें?

वज्रासन (वज्र मुद्रा) में बैठकर इस आसान को करने की शुरुआत करें। अब अपने हाथों को अपने घुटनों पर रखें और फिर घुटनों को जितना खोल सकते हैं खोल लें। इस दौरान ध्यान रखने की आपके पैरों के अंगूठे आपस में मिले हों। इसके बाद अपने दोनों हाथों को अपने घुटने के बीच रखें और सांस बाहर की और छोड़ते हुए हाथ को जमीन पर आगे की ओर सरकाते हुए अपने शरीर को आगे लेकर जाएं। इस दौरान अपने हाथों को एक दूसरे की सिधाई में रखना है और आपकी थुड़ी जमीन पर लगी होनी चाहिए। सामान्य रूप से साँस लेते हुए थोड़ी देर इस आसान को बनाए रखें और फिर गहरी साँस लें और वापस शुरुआती स्थिति में आ जाएं।

शशांकासन के लाभ?

शशांकासन करने से कई शारीरिक लाभ मिलते हैं। यह आसन पीठ, कंधों और गर्दन में तनाव को दूर करने में मदद करता है। यह रीढ़ की हड्डी को हल्का खिंचाव देता है, जिससे लचीलापन बढ़ता है। आगे की ओर झुकने से पेट के अंगों की मालिश होती है, जिससे पाचन में सहायता मिलती है। यह विश्राम को बढ़ावा देकर और तनाव को कम करके थकान को कम करने में मदद करता है। इसके मानसिक और भावनात्मक लाभों की बात करें तो ये मन पर शांत प्रभाव डालता है, चिंता और तनाव को कम करता है।

यह शांत और स्पष्टता की भावना लाकर एकाग्रता में सुधार करने में मदद करता है। यह मुद्रा विश्राम और शांति की स्थिति को प्रेरित करके भावनात्मक स्थिरता को बढ़ावा देती है। यह गर्दन और कंधों में तनाव को कम करके सिरदर्द को कम करने में मदद कर सकता है। सोने से पहले इस मुद्रा का अभ्यास करने से नींद की गुणवत्ता में सुधार और अनिद्रा को कम करने में मदद मिल सकती है।

किन लोगों को नहीं करना चाहिए शशांकासन?

घुटने की चोट या गंभीर घुटने के दर्द वाले व्यक्तियों को इस मुद्रा को करने से बचना चाहिए या फिर सावधानी से इसका अभ्यास करना चाहिए। इसके अलावा जिन लोगों को पीठ की गंभीर समस्या है, उन्हें इस आसन को करने से पहले किसी स्वास्थ्य सेवा पेशेवर से सलाह लेनी चाहिए। गर्भवती महिलाओं को आगे की ओर झुकने से बचना चाहिए और इस आसन का अभ्यास करने से पहले डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

वर्ष 2027 तक यूपी को मलेरिया मुक्त करेगी योगी सरकार, बचाव एवं लक्षणों के बारे में लोगों को किया जा रहा जागरूक

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2027 तक राज्य को मलेरिया मुक्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। अधिकृत सूत्रों ने बताया कि योगी सरकार मलेरिया के हर केस की जांच व हर मरीज के पूर्ण इलाज पर जोर दे रही है। राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जून को मलेरिया रोधी माह के तौर पर मनाया जा रहा है। प्रदेश में इस साल अब तक 771 मलेरिया के मरीज मिले हैं। मलेरिया उन्मूलन की दिशा में आ रही चुनौतियों को दूर करने के लिए भारत ने देश के विभिन्न हिस्सों में बेहतर केस रिपोर्टिंग और प्रबंधन पर जोर दिया है। वेक्टर नियंत्रण प्रक्रिया मे तेजी लाते हुए निरंतर महामारी विज्ञान और कीट विज्ञान निगरानी को बढ़ाया है। साथ ही सामुदायिक भागीदारी, प्रशिक्षण और क्षमता विकास पर बल दिया है। साथ ही क्षेत्रीय रणनीति तैयार कर उन्मूलन के लिए प्रतिबद्धता दर्शायी है। राज्य मलेरिया अधिकारी डॉ. विकास सिंघल ने बताया कि मलेरिया मामलों की रिपोर्टिंग और पूर्ण उपचार सुनिश्चित करने पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है। वास्तव में यह सुनिश्चित करने के लिए हर मामले की जांच और पूरा इलाज किया जाता है। सभी जिला मलेरिया अधिकारियों, संबंधित कर्मचारियों और प्रथम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया है और सभी जिलों मे मलेरिया की जांच के लिए रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट किट उपलब्ध कराई गई है। इस क्रम में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा अधिक से अधिक सर्वेक्षण कर बुखार पीड़ितों की मलेरिया की जांच की जा रही है। समुदाय में लोगों को मलेरिया से बचाव

एवं लक्षणों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। राज्य मलेरिया अधिकारी ने बताया कि जून के आखिरी सप्ताह में मानसून आने की उम्मीद है। इस दौरान मच्छरजनित बीमारियां भी पनपती हैं। इनसे बचाव की व्यापक तैयारियों के मद्देनजर जून को मलेरिया माह के रूप मनाया जाता है। इसको लेकर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। मलेरिया मच्छरजनित बीमारी है, जो मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से होती है। इसके परजीवी के शरीर में प्रवेश करने के बाद 14 से 21 दिन के अंदर बुखार आता है। इससे बचाव के लिए सबसे जरूरी है कि इसके लक्षणों को पहचान कर इसका समय से इलाज किया जाए। इसका पूर्ण इलाज और रोकथाम किया जा सकता है। लखनऊ की जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. रितु श्रीवास्तव ने बताया कि मच्छर नियत्रंण के लिए इंसेक्टिसाइड का छिड़काव और फॉगिंग की जा रही है। समुदाय को जागरूक करने के लिए गोष्ठियां की जा रही हैं। शहरी क्षेत्र में इन्सेक्ट कलेक्टर द्वारा उन क्षेत्रों की पहचान की जा रही है, जहां मच्छरों का घनत्व अधिक है और वहां पर प्रॉयरिटी के आधार पर इंसेक्टिसाइड का छिड़काव और फॉगिंग की जा रही है। शहरी क्षेत्र में यह काम नगर निगम तथा ग्रामीण क्षेत्र में पंचायत द्वारा किया जा रहा है। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा डेंगू, मलेरिया से बचाव एवं लक्षणों के बारे में समुदाय को बताया जा रहा है एवं बुखार पीड़ितों की रैपिड डायग्नोस्टिक किट के द्वारा मलेरिया की जांच की जा रही है।

चित्रकूट के युवा प्रोफेसर को त्रिभुवन विश्वविद्यालय नेपाल द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया

चित्रकूट। जनपद के मऊ नगरपंचायत निवासी शशि शेखर मिश्र जोकि वर्तमान समय में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के राजा शिवपति सिंह डिग्री कालेज सिद्धार्थनगर के बी.एड. विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर तैनात हैं को भारतीय ज्ञान परम्परा के क्षेत्र में उनके द्वारा प्रकाशित किये गये अनुसंधान पत्रों व

शिक्षण की नवीन तकनीकों के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने पर त्रिभुवन विश्वविद्यालय काडमांडू, नेपाल द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान एवं युवा प्रोफेसर अवार्ड से सम्मानित किया गया हैद्य इस अवसर पर नेपाली संसद की उपाध्यक्ष मा. इन्दरा राणा मगर, नेपाली सांसद मा. रेखा यादव, निदेशक व कुलपति त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडू, त्रिभुवन वि.वि. काठमांडू की हिन्दी विभाग प्रमुख प्रो. संजीता वर्मा, जयप्रकाश नारायण विश्वविद्यालय छपरा,बिहार के कुलपति प्रो. परमेन्द वाजपेयी, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय के इतिहासविद प्रो. प्रवीण मिश्र सहित सैकड़ों नामचीन हस्तियां उपस्थित रहीद्य शशि शेखर मिश्र को अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त होने पर क्षेत्र के लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की हैद्य

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सीबीसी द्वारा रानी रेवती देवी इण्टर कालेज में कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज । आधुनिक जीवन में योग के महत्व के प्रति छात्र–छात्राओं, अध्यापकों व आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के केन्द्रीय संचार ब्यूरो व रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इण्टर कालेज राजापुर के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के महापर्व पर 21 जून 2024 को कॉलेज परिसर के सभागार में प्रातः 07.00 से 09.00 बजे तक जन जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।

ब्यूरो के कार्यक्रम प्रभारी राम मूरत ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान योगाभ्यास, संगोष्ठी, व्याख्यान, विभिन्न प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि का आयोजन कर प्रतियोगिताओं के विजेता को ब्यूरो की ओर से पुरस्कार व प्रमाण पत्र भी प्रदान किये जायेंगे।

लगता है बरखा आयी

बादल ने ली अंगड़ाई , लगता है बरखा आयी

नभ पर काली चादर, धूप लगे अलसाई।
रश्मि द्वारा कोई किरण , मंद मंद अब सरसाई।।

बादल ने ली अंगड़ाई ,लगता है बरखा आई

तुलसी की चाय बनाई , प्रभात किरण भी है मुस्करायी।
मोगरा फूल बगिया में दिखते , खुशियां आंगन में है आयी ।

बादल ने ली अंगड़ाई ,लगता है बरखा आयी।

रंगबिरंगी सी फुलवारी , छत पर सखियों की टोलियॉ।
ओस चमके गुलाबी देखे , खुशबू महके गलियॉ।।

बादल ने ली अंगड़ाई ,लगता है बरखा आयी।

मन को भाते पकोड़े , साथ हो बैठे सब परिवार।
दूर होते सारे द्वेष अभी , हर्षित मन पर सबकुछ वार।

मौसम ने ली अंगड़ाई, लगता है बरखा आयी।

भुट्टा और जामुन , दाल बाटी चूरमा लड्डू मोटा ।
रिमझिम फुहार मीठी मीठी , लगती है सुहाना दिन छोटा।।

बादल ने ली अंगड़ाई , लगता है बरखा आयी।

रिमझिम फुहार में निकले घूमने , उमंग में भारी दादी और नानी।
गीत गाती और
आम आचार बनती, संबंधों का है दाना पानी।।

बादल ने ली अंगड़ाई, लगता है बरखा आयी।

उमा मिश्रा प्रीति

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में सुनी पीड़ितों की फरियाद, कहा–

अधिकारी आमजन की समस्याओं का समय से निस्तारण करें

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अपने सरकारी आवास पर 'जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान प्रदेश के विभिन्न स्थानों से पहुंचे लोगों की शिकायतें सुनीं। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन कार्यक्रम में महिलाएं, पुरुष व युवाओं से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को समय सीमा के अंदर समाधान के निर्देश दिए। सीएम योगी ने जनता दर्शन में अपनी फरियाद लेकर पहुंचे लोगों को भरोसा दिलाया कि सबकी समस्या का समाधान जल्द से जल्द होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार सुबह अपने सरकारी आवास पर

आयोजित 'जनता दर्शन' में प्रत्येक पीड़ित से मुलाकात की। उन्होंने सबके पास जाकर ध्यान से उनकी बात सुनी। सीएम ने कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनता दर्शन में पुलिस की प्रताड़ना से सम्बंधित शिकायतों पर भी मुख्यमंत्री ने संज्ञान लिया। उन्होंने कहा कि पीड़ितों के प्रति पुलिस संवेदनशील रहे और स्थानीय स्तर पर ही सुनवाई सुनिश्चित हो। जनता दर्शन के दौरान उपचार के लिए आर्थिक सहायता के प्रार्थना पत्र भी आए, जिस पर मुख्यमंत्री ने कागजी कार्रवाई कर मरीजों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। वहीं, जनता दर्शन में कुछ लोग जमीन पर कब्जे की शिकायत को लेकर आए। सीएम योगी ने उनके पास जाकर पीड़ितों की शिकायत सुनी। पीड़ितों को भी मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि कहीं भी ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने वहा मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि जमीन कब्जा की शिकायत पर सख्ती बरतते हुए इस पर अंकुश लगाया जाए। कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने भी अपनी समस्याओं से मुख्यमंत्री को रूबरू कराया, जिस पर उन्हें भी त्वरित समाधान का आश्वासन मिला।

बत्ती उतारो ,हूटर हटाओ अभियान की आड़ में पुलिस कर रही अभद्रता

आईएएस अधिकारी की गाड़ी की पुलिस ने उतरवाई बत्ती, बनाया वीडियो

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में बत्ती उतारो, हूटर हटाओ अभियान चल रहा है। अभियान की आड़ में पुलिस प्रशासनिक अफसरों की बेइज्जती कर रही है।प्रशासनिक अफसरों का बीच सड़क वीडियो बनाया जा रहा है।सबसे खास बात एक और देखने को मिल रही है। आरटीओ, एआरटीओ बैकफुट पर हैं। बत्ती और हूटर पुलिस उतार रही है।प्रशासनिक अफसरों और पुलिस के बीच में सड़क पर अदावत नजर आ रही है।पुलिस है कि अपनी बिगड़ी छवि से इतर कुछ करने को राजी नहीं। लोगों से अभद्रता जैसे उसका शगल बन गया है। शासन आदेश किसी के उत्पीड़न का कभी नहीं देता लेकिन पुलिस कर्मी शासकीय आदेश की आड़ में नागरिकों ही नही आला अफसरों तक से भी अशोभनीय हरकत कर गुजरती है। बाराबंकी जिले में ड्यूटी से लौट रही आईएएस अफसर की गाड़ी बीच बाजार में रोककर पुलिस ने बत्ती और हूटर उतरवा दिया।पुलिस वाले यही तक नही माने बल्कि उसका वीडियो बनाकर मीडिया में वायरल कर दिया कि देखो पुलिस कैसे आईएएस अफसर की बत्ती उतार दे देती है। पुलिस जब आईएएस अफसर की बत्ती उतार रही थी तब उसमें बैठी आईएएस दिव्या सिंह ने अपना परिचय ज्वाइंट मैजिस्ट्रेट बाराबंकी के रूप में दिया लेकिन पुलिस ने नही सुनी। घटना की जानकारी जब जिला मैजिस्ट्रेट सत्येंद्र कुमार को मिली तो वह बेहद नाराज हुए। पुलिस कप्तान ने फौरन बत्ती उतारने वाले पुलिस अफसरों को लाइन हाजिर कर दिया। एडीएम,एसडीएम, सीएमओ, तहसीलदार, नायब तहसीलदार स्तरीय अफसर खफा है। जनपदों में तैनात जूनियर आईएएस और पीसीएस अफसर भी परेशान हैं। एक नायब तहसीलदार अपनी प्रेगनेंट पत्नी को लेकर जा रहे थे। रास्ते में ही पुलिस ने बत्ती हटवाई और चालान काट दिया। पुलिस ने मिर्जापुर में एडीएम की बत्ती बीच सड़क उतार ली सहारनपुर में तैनात महिला एसडीएम का सीओ ने हूटर उतरवा दिया।कासगंज में तैनात एसडीएम का भी हूटर पुलिस ने उतरवा दिया।कुछ लोग तो यह कह रहे हैं कि बीच सड़क पुलिस पुरानी खुन्नस निकालने का मौका पा गई है। पुलिसकर्मी चौराहे–चौराहे अफसरों की गाड़ी का इंतजार कर रहे हैं। प्रशासनिक अफसरों की गाड़ी देख कैमरा ऑन और बत्ती गुल कर रही पुलिस। प्रशासनिक अधिकारी बीच सड़क ऐसी कार्रवाई को बेइज्जती मान रहे हैं।

युवाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बना रही सरकार : कपिलदेव

दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना,सवा लाख युवाओं को मिला रोजगार,2.35 लाख को प्रशिक्षण

बीपीएल परिवारों के सदस्यों, महिलाओं, मनरेगा श्रमिकों, बेरोजगारों, अल्प शिक्षित या स्कूल ड्रॉपआउट को लक्षित कर रही योजना

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा संचालित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना के तहत योगी सरकार ग्रामीण युवाओं की क्षमता को पहचानकर उन्हें उनकी रुचि के आधार पर रोजगारपरककौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रही है। इस योजना के तहत अब तक 2,35,334 ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है और 1,25,822 युवाओं को सेवायोजित किया गया है। योजना विशेष रूप से बीपीएल सूची में शामिल परिवारों के 15–35 आयुवर्ग के सदस्यों महिलाओं के लिए 15–45 वर्ष, मनरेगा के श्रमिकों, बेरोजगारों, अल्प शिक्षित अथवा स्कूल ड्रॉपआउट को लक्ष्य बनाती है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 98वें जन्मदिवस के अवसर पर भारत सरकार ने दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना का शुभारंभ किया था। इस योजना का उद्देश्य गरीब ग्रामीण युवाओं को निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ना है। उत्तर प्रदेश में यह योजना उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा संचालित की जा रही है। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि योजना में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन ग्रामीण युवाओं की क्षमता पहचानकर उन्हें उनकी रुचि के आधार पर रोजगारपरक कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। युवाओं को आधुनिक कक्षाओं और लैब में प्रशिक्षण के साथ–साथ निःशुल्क आवास, भोजन, प्रशिक्षण सामग्री, यूनिफॉर्म आदि की सुविधा प्रदान की जा रही है। विभिन्न विषयों जैसे अपैरल, ऑटोमोटिव, ब्यूटी एंड वेलनेस, कैपिटल गुड्स, कंस्ट्रक्शन, डॉमेस्टिक वर्क्स, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड हार्डवेयर, फूड प्रॉसेसिंग, ग्रीन जॉब्स, लेदर, आईटी–आईटीईएस, लॉजिस्टिक्स, पावर, रिटेल, मीडिया एंड एंटरटेनमेंट, टेलीकॉम, टेक्सटाइल, टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी आदि के साथ–साथ सॉफ्ट स्किल्स भी सिखाई जा रही हैं।

संक्षिप्त

बोर्ड परीक्षाओं के 1885 मेधावियों को मिलेंगे एक एक लाख रुपये

बोर्ड के मेधावियों का 4.73 करोड़ रुपये से सम्मान

लखनऊ, एजेंसी। 10वीं–12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में राज्य व जिले की टॉप टेन सूची में स्थान पाने वाले 1885 मेधावियों को एक–एक लाख रुपये, टैबलेट, प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा। यूपी बोर्ड, संस्कृत शिक्षा परिषद, सीबीएसई और सीआईएससीई की परीक्षा में प्रदेश में टॉप टेन सूची में स्थान पाने वाले होनहारों को सम्मानित किया जाएगा।माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेन्द्र देव ने जिला विद्यालय निरीक्षकों को निर्देशित किया है कि मेरिट लिस्ट में शामिल छात्र–छात्राओं के बैंक खाते का विवरण साक्ष्य के साथ संबंधित स्कूल से प्राप्त कर लें ताकि उनके खाते में पुरस्कार राशि भेजी जा सके। सभी दस्तावेज जांच लें। सम्मान समारोह के आयोजन की तिथि बाद में सूचित की जाएगी। यूपी बोर्ड की टॉप फाइव मेरिट में 10वीं में 17 और 12वीं में 36 मेधावी शामिल हैं। छठवें से दसवें स्थान तक 10 वीं में 142 व 12वीं में 372 मेधावियों के नाम हैं। संस्कृत शिक्षा परिषद के 10वीं–12वीं के क्रमश 11–11, क्रमश सीआईएससीई के 30 व 17 जबकि सीबीएसई के क्रमश 26 व 22 विद्यार्थियों को सम्मान मिलेगा।

मुख्यमंत्री योगी ने राष्ट्रपति मुर्मू को दी जन्मदिन की बधाई

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को उनके जन्मदिन पर बधाई देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की है। आदित्यनाथ पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, जनसेवा, राष्ट्र सेवा और समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए सतत समर्पित माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई! भगवान श्री जगन्नाथ जी से आपके सुदीर्घ व सुयशपूर्ण जीवन और उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुर्मू का जन्म 20 जून 1958 को ओडिशा के मयूरभंज जिले के उपरबेड़ा गांव में एक संथाली आदिवासी परिवार में हुआ था। उन्होंने 25 जुलाई 2022 को राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। इससे पहले वह झारखंड की राज्यपाल थीं।

फन मश्वल के पास बेहोश मिली लड़की, जंगल में अर्धनग्न अवस्था में पड़ी थी

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी के गोमती नगर में एक युवती बेहोशी की हालत में मिली है। फन मॉल के पीछे जंगल में युवती अर्धनग्न अवस्था में पड़ी थी। कुछ लोग जंगल में गए तो देखा एक लड़की बेहोशी की अवस्था में है और उसके कपड़े भी अस्त–व्यस्त थे। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सुबह 9.30 बजे पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को एंबुलेंस से अस्पताल ले गई। स्थानीय लोगों ने बताया की युवती लोअर और टी–शर्ट में थी लेकिन लोअर फटा हुआ था। वह बेहोशी का हालत में पड़ी थी। सिविल अस्पताल के डॉक्टर ने कहा युवती अभी नशे में है। होश नहीं आया है। देखने से गरीब परिवार की लग रही है। होश में आने के बाद ही कुछ बताया जा सकता है। अस्पताल में भर्ती करने के बाद युवती के कपड़े भी बदले गए हैं। पुलिस ने बताया युवती को सिविल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। युवती से संबंधित किसी तरह की कोई शिकायत नहीं मिली है। कोई परिजन भी सामने नहीं आया है। युवती के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। होश में आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अपना दल एस की कार्यकारिणी भंग

लखनऊ, एजेंसी। अपना दल एस की यूपी और एमपी की सभी प्रदेश, क्षेत्रीय, जिला और विधानसभा स्तरीय कार्यकारिणी तत्काल प्रभाव से भंग कर दी गई हैं। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मुन्नर प्रजापति ने बताया कि पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल के निर्देशानुसार यह निर्णय लिया गया है।

सेफ्टी टैंक खुदाई में धंसी मिट्टी, दबे चार मजदूर, एक की मौत

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ के बख्शी का तालाब इलाके के मयूर विहार कालोनी में सेफ्टी टैंक की खुदाई के दौरान मिट्टी धंसने से चार मजदूर दब गए। इनको एक घंटे बाद साथी मजदूरों ने बाहर निकाला। हादसे में मजदूर 40 वर्षीय सूर्यपाल की मौत हो गई। इतवारी लाल रेउसा सीतापुर, जगमोहन टिकरी सदरपुर सीतापुर, ब्रजेश पांडेय निवासी पांडेय पुरवा धौरहरा लखीमपुर घायल हो गए। मृतक सूर्यलाल बरेहटा ईसानगर लखीमपुर का रहने वाला है।

नवयुग महाविद्यालय प्रांगण में योगाभ्यास का आयोजन

लखनऊ, एजेंसी। दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर की 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी विंग, शारीरिक शिक्षा विभाग, एनएसएस तथा दर्शन शास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आज महाविद्यालय प्रांगण में योगाभ्यास का आयोजन प्राचार्या प्रो मंजुला उपाध्याय के दिशा निर्देशन में किया गया। जिसका संयोजन व संचालन एन.सी.सी. अधिकारी मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढी ने किया। उन्होंने भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा जारी योग क्रम के अनुसार ही ग्रीवा, स्कन्ध चालन क्रियाओं से लेकर बैठ कर, खड़े होकर, पेट के बल लेटकर, पीठ के बल लेटकर करने वाले भुजंगासन, मकरासन, भद्रासन, वक्रासन, त्रिकोण आसन, ताड़ासन, वृक्षासन, पवनमुक्तासन, भ्रामरी, कपालभाति, अनुलोम–विलोम, ध्यान आदि का अभ्यास करवाया। योग दर्शन की प्रासंगिकता पर चर्चा करते हुए मेजर डॉ मनमीत कौर सोढ़ी ने कहा कि योग केवल आसन और प्राणायाम तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह अष्टांग मार्ग की साधना है। यौगिक क्रियाएं हमें विभिन्न प्रकार के संक्रमण से बचाती हैं तथा सहज, सरल और तनाव मुक्त जीवन की राह दिखाती हैं। यदि हमारा शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है तो उससे हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी प्रभावित होती है। योग प्राचीन भारतीय परंपरा एवं संस्कृति की अमूल्य देन है जो हमें सिखाता है कि कैसे संतुलित जीवन जिया जा सकता है। इसी कारण से वैश्विक पटल पर योग की स्वीकार्यता बढ़ी है। योगाभ्यास के दौरान रखने वाली सावधानियों पर चर्चा की। योगाभ्यास में डॉ सीमा पांडे, डॉ मनीषा बरौनिया, कु आयशा, कैडेट तनु सारस्वत, अंजली राय, तनूजा कांडपाल, पलक गुप्ता, सोनल सिंह, पूजा गौतम, शुभांगी, नैंसी, बुशरा, खुशी त्रिपाठी, ज्योति गौतम, साक्षी, समेत बड़ी संख्या में एनसीसी कैडेट्स, दर्शनशास्त्र एवं शारीरिक शिक्षा विभाग की छात्राओं ने भाग लिया।

संक्षिप्त

हैती में सशस्त्र गिरोहों के कारण हिंसा बढ़ने से लगभग 5,80,000 लोग विस्थापित : संरा रिपोर्ट

कैरेबियाई देश हैती में सशस्त्र गिरोहों के साथ टकराव के कारण मार्च से हिंसा बढ़ी है, जिसके चलते लगभग 5,80,000 लोग विस्थापित हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी की एक नयी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। लाखों की संख्या में विस्थापित हुए लोगों का यह आंकड़ा चिंताजनक है, जो कैरेबियाई राष्ट्र के संकट की गंभीरता को दर्शाता है। हैती में लंबे समय से अशांति रही है, लेकिन फरवरी के अंत में सशस्त्र गिरोहों ने कई बड़े हमले किए हैं। बंदूकधारियों ने पुलिस स्टेशनों पर कब्जा कर लिया, मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गोलीबारी की और हैती की दो सबसे बड़ी जेलों पर भी हमला किया। गोलीबारी के कारण हवाई अड्डा लगभग तीन महीने तक बंद रहा। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन द्वारा मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में बताया गया कि हैती की राजधानी पोर्ट ऑ प्रिंस से लगभग पांच लाख से अधिक लोगों ने अन्य प्रांतों की ओर पलायन किया है। आजीविका चलाने के लिए पर्याप्त संसाधन न होने के चलते ये लोग विस्थापित हुए हैं। एजेंसी ने बताया कि हैती में मार्च के महीने में 3,62,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। कैरेबियाई देश में हिंसा और बढ़ने से विस्थापितों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है।

सड़को पर पड़ा लाशों का ढेर, तड़पते लोगों का सैलाब, हज 2024 की सबसे भयानक तस्वीर, कश्मीरी बैंकर दंपत्ति समेत सैकड़ों लोगों की मौत

इस साल भीषण गर्मी की वजह से मक्का में हज यात्रा के दौरान कम से कम 90 भारतीयों की मौत हो गई। सऊदी अरब ने मौतों की जानकारी नहीं दी है, हालांकि उसने 19 जून को ही ष्हीट एग्जॉस्टष् के 2,700 से ज़्यादा मामलों की रिपोर्ट की है। एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक कुल मौतों की संख्या 645 है। ज़्यादातर मौतें हीटवेव से जुड़ी थीं। इससे पहले, सऊदी अरब में एक राजनयिक ने कहा था कि इस साल हज यात्रा के दौरान 68 भारतीय नागरिकों की मौत हुई है, जिससे कुल मौतों की संख्या 600 से ज़्यादा हो गई है। राजनयिक ने एएफपी को बताया, ''हमने लगभग 68 लोगों की मौत की पुष्टि की है... कुछ की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई है और हमारे पास कई बुज़ुर्ग तीर्थयात्री थे। और कुछ की मौत मौसम की वजह से हुई है, ऐसा हमारा अनुमान है।'' सड़कों पर लावारिस शवों को दिखाने वाले वीडियो सामने आए हैं, जो संकट को उजागर करते हैं। अधिकारी प्रभावित परिवारों की सहायता करने और स्थिति को संभालने के लिए काम कर रहे हैं। फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया नेटवर्क लापता लोगों की तस्वीरों और जानकारी के अनुरोधों से भरे पड़े हैं। इस साल दुनिया भर से करीब 18 लाख लोग तीर्थयात्रा में शामिल हुए। सऊदी अरब में भीषण गर्मी के बीच हज 2024 के दौरान मरने वाले सैकड़ों लोगों में श्रीनगर के एक बैंकर दंपत्ति समेत कश्मीर के नौ तीर्थयात्री भी शामिल हैं। कश्मीर के जिन नौ लोगों की मौत की खबर है, उनमें श्रीनगर के रावलपोरा इलाके के दो स्थानीय बैंकर मंजूर अहमद रंगरेज और उनकी पत्नी रिफत शामिल हैं। कश्मीर के जिन नौ लोगों की मौत की खबर है, उनमें श्रीनगर के रावलपोरा इलाके के दो स्थानीय बैंकर मंजूर अहमद रंगरेज और उनकी पत्नी रिफत शामिल हैं। जम्मू और कश्मीर हज समिति के अधिकारियों ने भी दंपत्ति की मौत की पुष्टि की है। सऊदी अधिकारियों के अनुसार, तीर्थयात्रियों की मौत ऐसे समय में हुई है, जब इस क्षेत्र में निर्जन राज्य में इस्लामी पवित्र स्थलों पर भीषण गर्मी पड़ रही है। सऊदी सरकार ने तीर्थयात्रा के दौरान गर्मी के बीच मरने वालों की संख्या पर कोई टिप्पणी नहीं की है, जो हर सक्षम मुसलमान के लिए जीवन में एक बार जरूरी है, न ही मरने वालों के लिए कोई कारण बताया है। हालांकि, मक्का के अल–मुआइसम इलाके में आपातकालीन परिसर में सैकड़ों लोग अपने लापता परिवार के सदस्यों के बारे में जानकारी प्राप्त करने की कोशिश में कतार में खड़े थे। बढ़ते तापमान के अलावा, रिपोर्ट बताती हैं कि संकट के प्रति अपर्याप्त प्रतिक्रिया के लिए हज अधिकारियों और सऊदी सरकार की आलोचना की गई है। कई देशों के तीर्थयात्रियों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित वीडियो में खराब परिवहन और स्वास्थ्य सेवाओं को उजागर किया गया, जिसमें उपेक्षा और कुप्रबंधन की स्थिति का वर्णन किया गया।

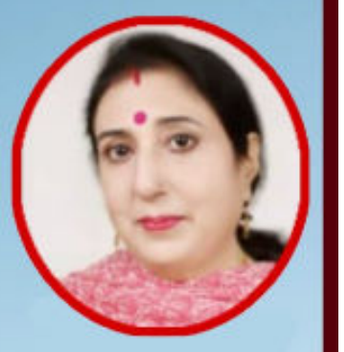

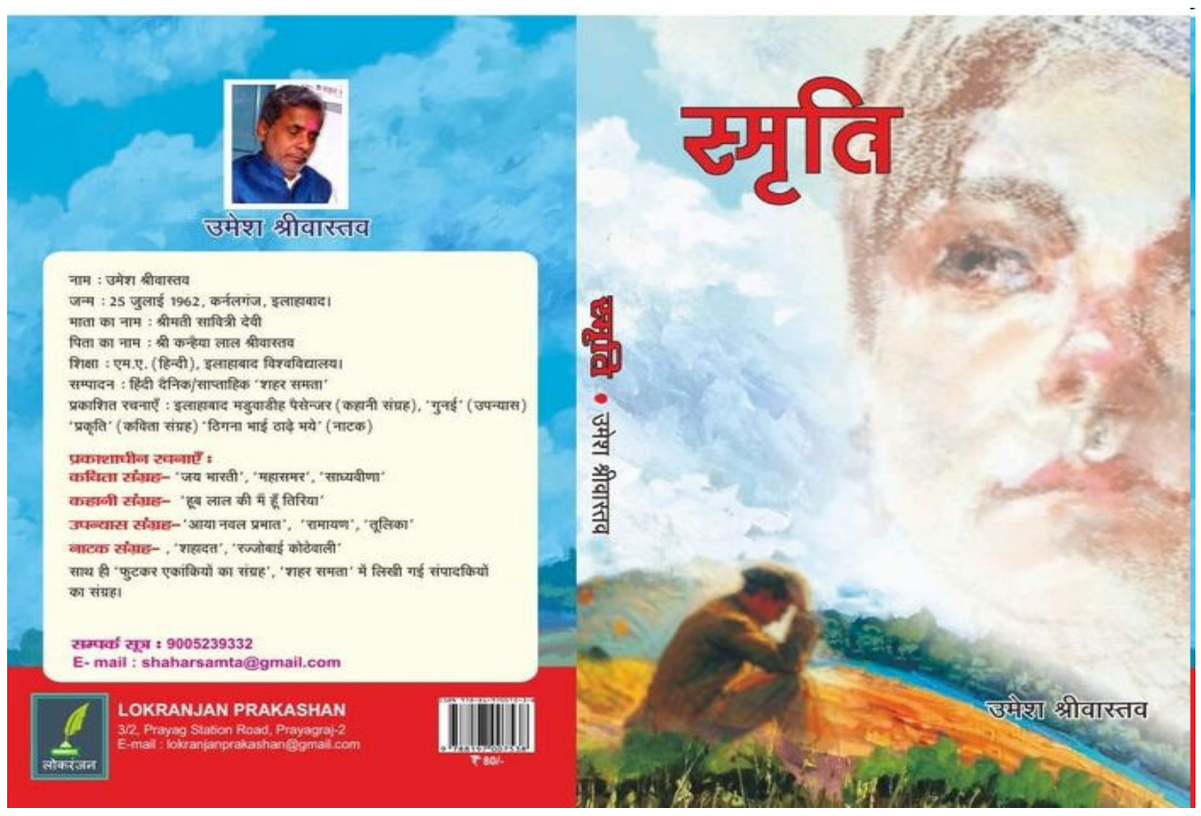

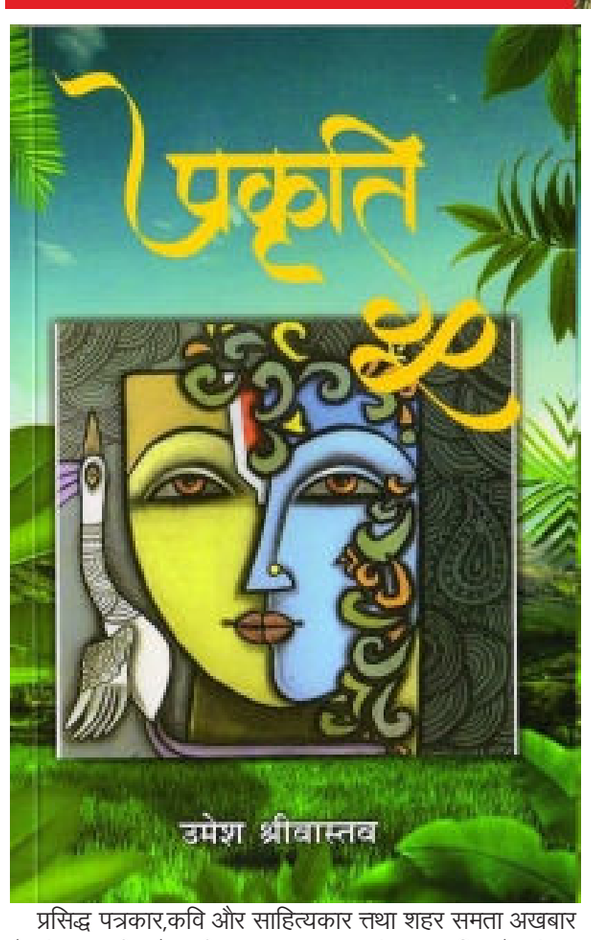

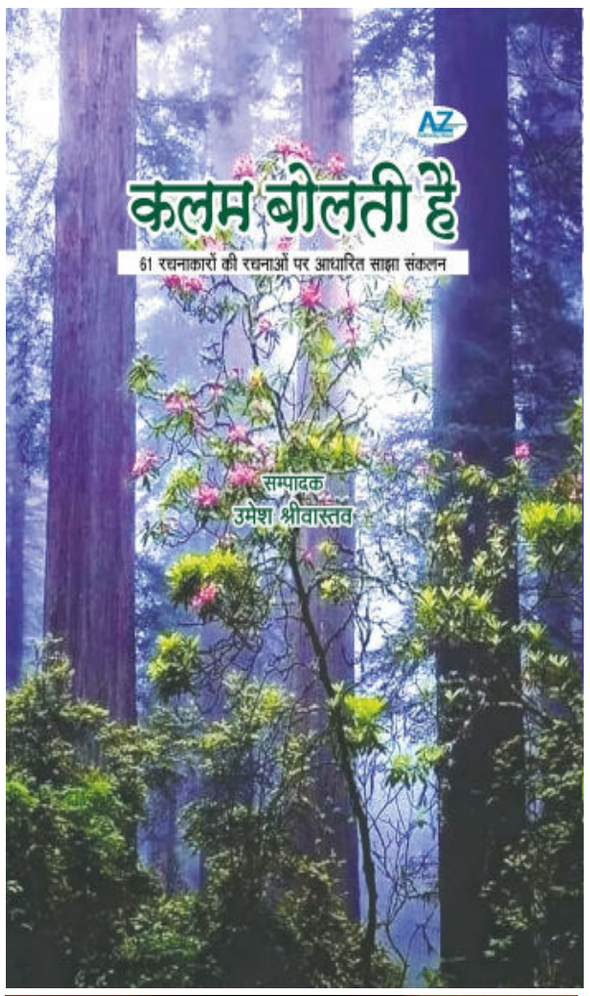

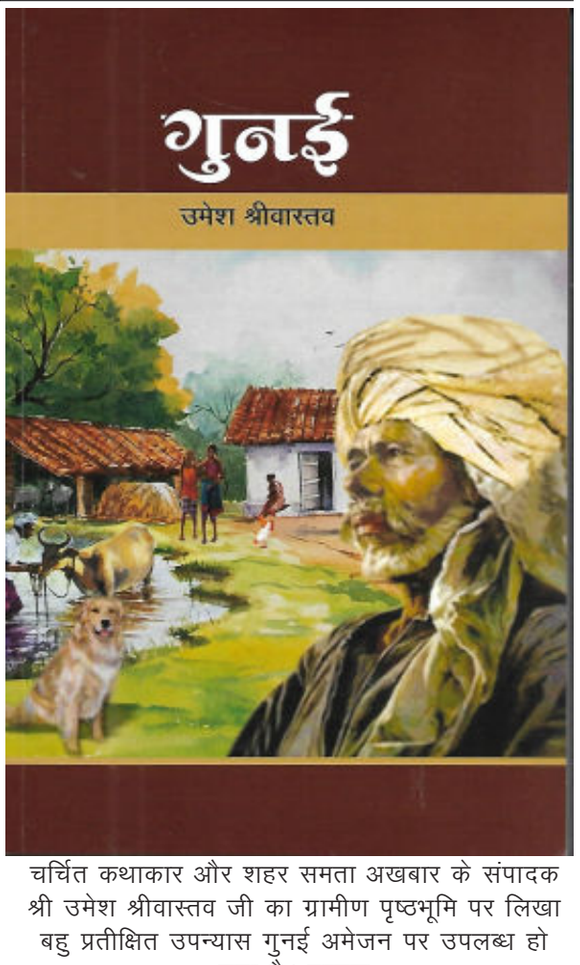

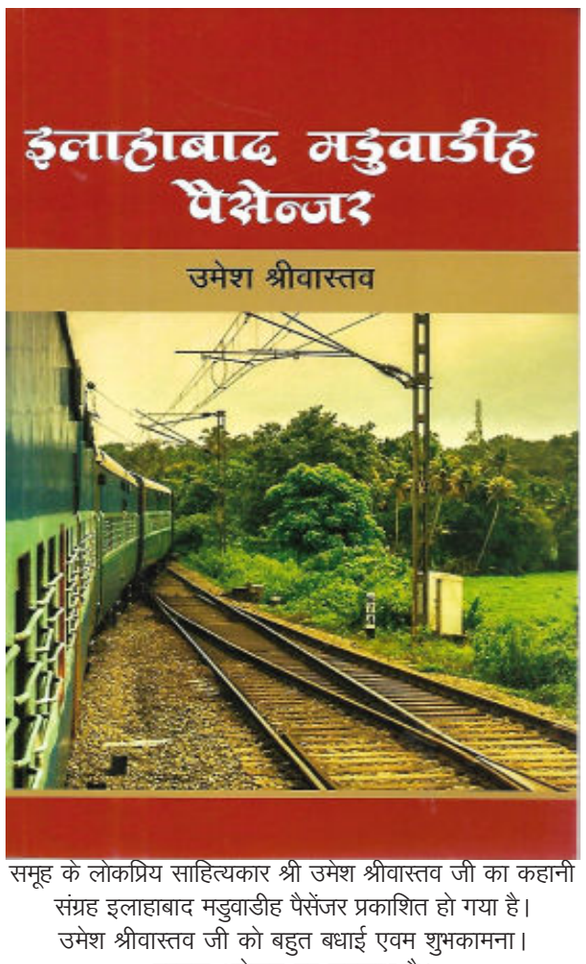

बोरिस जॉनसन को पत्नी कैरी ने दिए लकड़ी के बनें विशाल भारतीय हाथी, 60वां जन्मदिन खास अंदाज में मनाया

यूनाइटेड किंगडम के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने बुधवार को अपनी पत्नी कैरी जॉनसन से मिले एक विशेष उपहार के साथ अपना 60वां जन्मदिन मनाया, जिसमें तीन हाथी की मूर्तियां शामिल हैं, जिन्हें उन्होंने अपने बगीचे में स्थापित किया है। ये मूर्तियां एक चौरिटी संस्था, द ग्रेट एलीफेंट माइग्रेशन से जुड़ी हैं, जो भारत में मनुष्यों और जानवरों के सह–अस्तित्व को बढ़ावा देने वाली परियोजनाओं के लिए लकड़ी के हाथियों की बिक्री के माध्यम से धन जुटाती है। एक तस्वीर में बोरिस अपने दो बच्चों को गोद में लिए हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद, दूसरे स्नैप में, लकड़ी के हाथियों को देखा जा सकता है, जिसके कैप्शन में लिखा है, ''एक बहुत ही खास 60वें जन्मदिन का तोहफा, एक अद्भुत चौरिटी, @greatelephantmigration का समर्थन करते हुए।'' चौरिटी की वेबसाइट के अनुसार, हाथियों को लैंटाना कैमरा से बनाया गया है, जो दुनिया के सबसे बड़े आक्रामक खरपतवारों में से एक है। चौरिटी बताती है, हाथियों को बनाने के लिए लैंटाना का उपयोग संरक्षित क्षेत्रों से खरपतवार को हटाने में मदद करता है, जिससे वन्यजीवों को घूमने के लिए अधिक जगह मिलती है। उन्होंने कहा सुंदर लैंटाना हाथी चार आकारों में आते हैं और बगीचों, व्यावसायिक फ्रंटेज, एस्टेट और स्कूलों सहित सभी प्रकार के स्थानों पर खुद को घर जैसा महसूस करते हैं प्रत्येक हाथी को स्टील रीबार फ्रेम के चारों ओर लपेटे गए सूखे लैंटाना कैमरा का उपयोग करके उच्चतम संभव मानक के अनुसार सावधानीपूर्वक बनाया गया है और सुरक्षा के लिए ओस्मो ऑयल के साथ लेपित किया गया है।

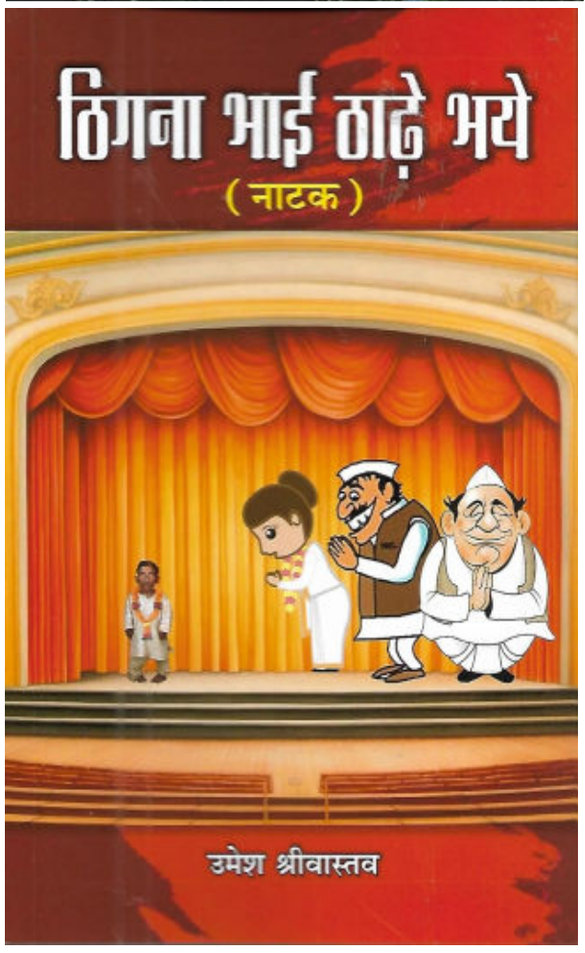

+ एस. लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

प्रसिद्ध पत्रकार,कवि और साहित्यकार तथा शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव का काव्य संग्रह ष्प्रकृतिष् लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है और अमेजन पर उपलब्ध है।

उत्तर कोरिया के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पहुंचे वियतनाम, भव्य रेड कार्पेट स्वागत किया गया

हाओई। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन उत्तर कोरिया के साथ रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद एशिया के अपने दो देशों के दौरे के अंतिम पड़ाव पर देश के कम्युनिस्ट नेताओं के साथ बातचीत के लिए गुरुवार को तड़के वियतनाम पहुंचे। पुतिन का विमान हनोई के हवाई अड्डे पर उतरा, जहां वियतनामी उप प्रधानमंत्री ट्रान होंग हा और पार्टी के शीर्ष राजनयिक ले होई ट्रुंग ने रेड कार्पेट पर उनका स्वागत किया। अपनी यात्रा के समय लिखे गए एक लेख में पुतिन ने यूक्रेन में संकट को हल करने के लिए एक व्यावहारिक तरीके का समर्थन करने के लिए दक्षिण पूर्व एशियाई कम्युनिस्ट शासित देश की सराहना की। वियतनाम, जो आधिकारिक तौर पर विश्व शक्तियों के साथ अपने संबंधों में एक तटस्थ विदेश नीति का पालन करता है, जिसे वह बांस कूटनीति कहता है, ने यूक्रेन पर रूस के हमले की निंदा करने से परहेज किया है, एक ऐसा रुख जिसे पश्चिमी देश क्रेमलिन के बहुत करीब मानते हैं। यूक्रेन युद्ध पर वियतनाम के ष्संतुलितष् रुख की प्रशंसा करने के साथ–साथ, पुतिन ने वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के अखबार नहान डैन में प्रकाशित लेख में देशों के बीच भुगतान, ऊर्जा और व्यापार पर प्रगति को सूचीबद्ध किया।

रूस अलगाव को तोड़ना चाहता है : हालाँकि उत्तर कोरिया और रूस दोनों को अंतरराष्ट्रीय अलगाव का सामना करना पड़ रहा है, वियतनाम ने संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ सावधानीपूर्वक गठबंधन बनाए हैं। कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल अकादमी में वियतनाम सुरक्षा के विशेषज्ञ कार्ल थायर ने कहा, राष्ट्रपति पुतिन की उत्तर कोरिया और वियतनाम की यात्रा यह प्रदर्शित करने के लिए है कि रूस को अलग–थलग करने के पश्चिमी प्रयास काम नहीं कर रहे हैं और रूस के एशिया में साझेदार हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)